वर्ष : 33 » अंक : 230 » पृष्ठ : 8 » मुंबई, बुधवार, 6 नवंबर 2024 » RNI: MAHHIN/49994/91 » मूल्य : 3 रुपए » epaper.dobajedopahar.com संपादक : अरुण लाल

DBD
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

दो बजे दोपहर

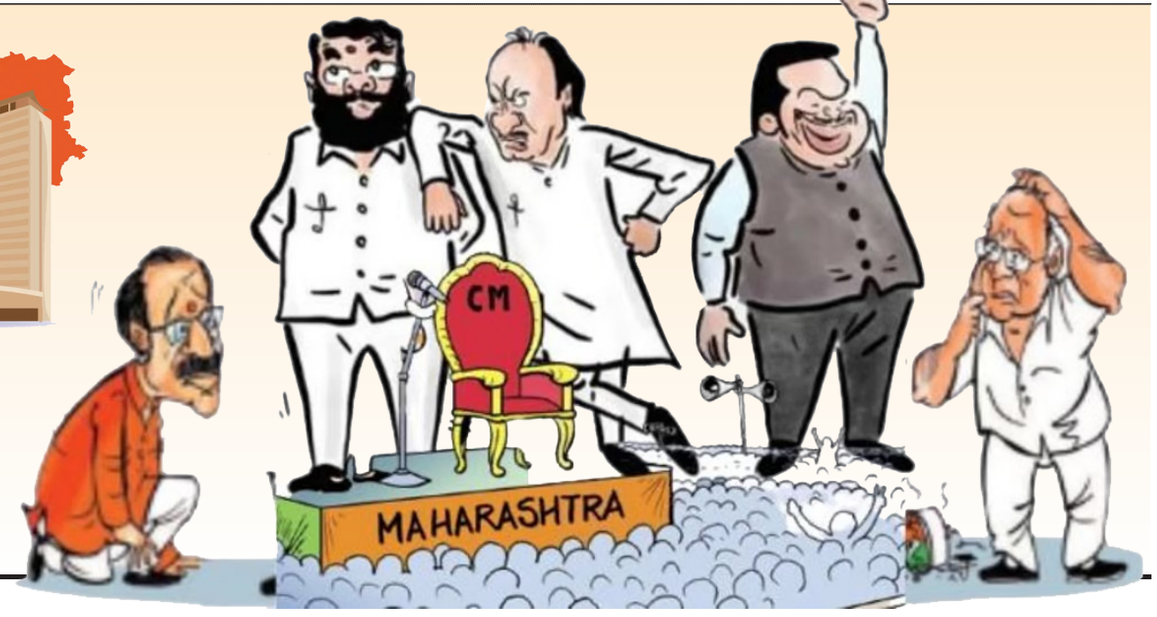

महाराष्ट्र चुनाव का सज गया अखाड़ा

01 लाख मतदान केंद्र

9.7 करोड़ मतदाता

- 288 सीटों के लिए चुनावी मैदान में 4140 प्रत्याशी
- मुंबई और उपनगर की सीटों पर 420 प्रत्याशी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

विधानसभा चुनाव 2024 के लिए राज्य के कुल 288 विधानसभा क्षेत्रों के लिए 20 नवंबर को एक ही चरण में मतदान होगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी एवं प्रमुख सचिव एस. चोकालिंगम ने मंगलवार को बताया कि इस चुनाव के लिए व्यवस्था की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और इस चुनाव में अंतिम उम्मीदवारों की संख्या 4 हजार 140 है। एस चोकालिंगम मंत्रालय और विधानमंडल संवाददाता संघ के प्रेस कक्ष में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे। इस अवसर पर अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी डॉ. किरण कुलकर्णी, अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी पी. प्रदीप उपस्थित थे।

पर्याप्त संख्या में ईवीएम उपलब्ध

विधानसभा चुनाव के लिए राज्य में पर्याप्त संख्या में ईवीएम उपलब्ध हैं और पर्याप्त स्टॉक भी उपलब्ध है. महाराष्ट्र विधानसभा आम चुनाव 2024 के लिए 1,00,186 मतदान केंद्रों के लिए 2,21,600 मतपत्र इकाइयां (221%), 1,21,886 नियंत्रण इकाइयां (122%) और 1,32,094 वीवीपैट (132%) प्रथम स्तर की जांच मशीनें उपलब्ध हैं और कुल में से प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रमों के लिए प्रथम स्तर की ईवीएम, 5166 बैलेट यूनिट, 5166 कंट्रोल यूनिट और 5165 वीवीपैट मशीनों का उपयोग किया गया है। इन सभी बैलेट यूनिट, कंट्रोल यूनिट और ईवीएम मशीनों का वितरण सबसे पहले 18 से 21 अक्टूबर 2024 तक सभी जिलों को कर दिया गया है।

मतदाता पंजीकरण में वृद्धि

मुंबई में मंगलवार को प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) एस चोकलिंगम ने मंगलवार को बताया कि राज्य में मतदाताओं की संख्या 9.7 करोड़ है, जिसमें पुरुष मतदाताओं की संख्या 5 करोड़ 22 हजार 739 और महिला मतदाताओं की संख्या 4 करोड़ 69 लाख 96 हजार 279 है। इसके अलावा 1.85 करोड़ युवा वोटरों की उम्र 20 से 29 साल के बीच है। वहीं, 20.93 लाख वोटर पहली बार मतदान में हिस्सा लेंगे।

1 लाख से अधिक मतदान केंद्र

निर्वाचन अधिकारी ने कहा, महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए कुल 1,00,186 मतदान केंद्र बनाये जाएंगे हैं, जिनमें 42 हजार 604 शहरी क्षेत्रों में और 57 हजार 582 ग्रामीण क्षेत्रों में होंगे। शहरों में ऊंची इमारतों/सहकारी आवास सोसायटी परिसरों में कुल 1,181 मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं। साथ ही स्लम इलाकों में 210 मतदान केंद्र बनाए गए हैं. सहायक मतदान केन्द्रों की कुल संख्या 241 है।

28% ज्यादा उम्मीदवार

एस. चोकालिंगम ने कहा कि 288 सीटों के लिए हमें 7,078 मान्य नामांकन पत्र प्राप्त हुए थे। इनमें से 2,938 उम्मीदवारों ने नामांकन वापस ले लिया। जिसके बाद 4,140 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं। यह संख्या 2019 में 3,239 उम्मीदवारों की तुलना में 28 फीसदी अधिक है। मुंबई की 36 सीटों पर 420 उम्मीदवार चुनाव लड़ेंगे।

राज्य भर में प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा की गई जब्ती

राज्य में 15-10-2024 से 04-11-2024 की अवधि के दौरान राज्य में केंद्र सरकार और राज्य सरकार की विभिन्न प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा अवैध धन, शराब, ड्रग्स और कीमती धातुएं आदि जब्त की गई हैं। कुल 252.42 करोड़ रुपये का सामान जब्त किया गया है। इसमें नकद- 63.47 करोड़ और 34,89,088 लीटर शराब (कीमत 33.73 करोड़ रुपये) जब्त की गई। ड्रग्स 38,24.422 ग्राम (मूल्य 32.67 करोड़ रुपये), कीमती धातुएं 14,28,983 ग्राम (मूल्य 83.12 करोड़ रुपये), जबकि मुफ्त वस्तुएं 34,634 (संख्या) मूल्य 2.79 करोड़ रुपये और अन्य 8,79,913 (संख्या) मूल्य रु. 36.62 करोड़ रुपये जब्त किये गये हैं।

229 हथियार जब्त 575 लाइसेंस रद्द

राज्य में कुल वितरित शस्त्र लाइसेंस 78,267 तथा संग्रहित शस्त्र 55,126 हैं। 229 हथियार जब्त किये गये और 575 लाइसेंस रद्द कर जब्त किये गये। लाइसेंस की आवश्यकता से मुक्त हथियार 10,603 हैं और जब्त किए गए अवैध हथियार 1,294 हैं। प्रदेश में आचार संहिता लागू होने के बाद से अब तक 46,630 लोगों के खिलाफ निरोधात्मक कार्रवाई की गयी है।

संसद का शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से 20 दिसंबर तक

एजेंसी । नई दिल्ली

18वीं लोकसभा का पहला शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से शुरू होगा। यह जानकारी केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने मंगलवार को दी। सत्र 20 दिसंबर तक चलेगा। इसमें वन नेशन-वन इलेक्शन और वक्फ विधेयक समेत कई बिल पेश होने के आसार हैं। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने का प्रस्ताव भी पास किया जा सकता है। 18वीं लोकसभा का पहला मानसून सत्र 22 जुलाई से 9 अगस्त तक चला था। पूरे सत्र में कुल 15 बैठकें हुईं, जो लगभग 115 घंटे तक चलीं थी। सत्र के दौरान सदन की प्रोडक्टिविटी 136% रही। इसी सत्र में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 23 जुलाई को सदन में केंद्रीय बजट 2024-2025 पेश किया। इस पर कुल 27 घंटे और 19 मिनट तक चर्चा चली, जिसमें 181 सदस्यों ने भाग लिया। सत्र में कुल 65 प्राइवेट मेम्बर बिल भी पेश किए गए थे।

इसके अलावा लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने बताया कि, इस सत्र के दौरान देश के कई हिस्सों में आए लैंडस्लाइड, बाढ़ और जान-माल के नुकसान पर भी चर्चा हुई। साथ ही ओलिंपिक में भारत की तैयारियों पर भी चर्चा हुई। वक्फ एक्ट संशोधन बिल पेश, लेकिन अब JPC में 8 अगस्त को लोकसभा में केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने वक्फ कानून (संशोधन) बिल पेश किया था। लेकिन अब केंद्र सरकार

ने संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेज दिया। इस बिल का विपक्षी दलों ने विरोध किया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 23 जुलाई को लगातार सातवीं बार बजट पेश करने का रिकॉर्ड बनाया। 1 घंटे 23 मिनट के भाषण में उनका फोकस शिक्षा, रोजगार, किसान, महिला और युवाओं पर रहा। इसके अलावा नीतीश कुमार के बिहार और चंद्रबाबू नायडू के आंध्र प्रदेश पर केंद्र सरकार मेहरबान रही।

बजट में नई टैक्स रिजीम चुनने वालों के लिए अब 7.75 लाख तक की इनकम टैक्स फ्री हो गई है। यानी उन्हें 17.5 हजार रुपए का फायदा हुआ है। पहली नौकरी वाले जिनकी सैलरी 1 लाख रुपए से कम होगी, उन्हें सरकार अधिकतम 15 हजार रुपए तीन किश्तों में देगी। मोदी सरकार 3.0 बिहार के CM नीतीश कुमार की JDU और आंध्र प्रदेश के CM चंद्रबाबू नायडू की TDP के भरोसे केंद्र में सत्ता चला रही है। वित्त मंत्री ने बिहार में इंफ्रा और अन्य प्रोजेक्ट्स के लिए 58 हजार 900 करोड़ रुपए और आंध्र प्रदेश की नई राजधानी अमरावती के विकास के लिए 15 हजार करोड़ रुपए की घोषणा की।

आज महाराष्ट्र में गरजेंगे सीएम योगी

तीन रैलियों को करेंगे सम्बोधित

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने चुनावी दौरे के दूसरे दिन महाराष्ट्र में रहेंगे। झारखंड दौरे के बाद बुधवार को वे महाराष्ट्र विधानसभा के चुनाव प्रचार में पहुंचेंगे। वे यहां भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में जनसभा को सम्बोधित करेंगे।

वाशिम विधानसभा में होगी पहली जनसभा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहली जनसभा वाशिम विधानसभा में होगी। वे यहां से प्रत्याशी श्याम रामचरण खोड़े के पक्ष में जनसभा करेंगे। मुख्यमंत्री की दूसरी जनसभा अमरावती जनपद के तिवसा विधानसभा क्षेत्र प्रत्याशी राजेश श्रीराम वानखेड़े के लिए होगी। सीएम योगी बुधवार को तीसरी जनसभा अकोला जिले में करेंगे। यहां के मूर्तिजापुर विधानसभा से उम्मीदवार हरीश मारोटिअप्पा पिम्पले के लिए वोट की अपील करेंगे।

'बिहार कोकिला' शारदा सिन्हा का निधन

छठ गीतों से पहचान मिली, पर्व के पहले दिन दिल्ली एम्स में ली अंतिम सांस

एजेंसी । पटना

पद्म पुरस्कार से सम्मानित बिहार की मशहूर गायिका शारदा सिन्हा अब इस दुनिया में नहीं रहीं। मंगलवार को दिल्ली एम्स में उन्होंने देर शाम को आखिरी सांस ली। सोमवार की शाम को ही शारदा सिन्हा की तबीयत अधिक बिगड़ गयी थी और उन्हें वेंटिलेटर पर शिफ्ट करना पड़ा था। मंगलवार को उन्होंने अपने प्राण त्याग दिए। इस खबर ने देशभर में उनके शुभचिंतकों को झकझोर कर रख दिया। शारदा सिन्हा के गाये छठ गीत अभी हर तरफ बज रहे हैं और इस महापर्व के बीच में उनके देहांत की खबर से प्रशंसकों में मायूसी छायी है।

हाल में ही पति का भी हुआ था निधन

बता दें कि शारदा सिन्हा के पति का निधन हाल में हो गया था। ब्रेन हैमरेज के कारण उनका देहांत हो गया था। इसी साल दोनों ने अपनी शादी की 54वीं सालगिरह भी मनायी थी। गौरतलब है कि शारदा सिन्हा लोकप्रिय गायिका थीं और अपने गाये छठ गीतों को लेकर बिहार में वो काफी प्रसिद्ध रही हैं। संगीत में उनके अभूतपूर्व योगदान के लिए उन्हें पद्म श्री और पद्म विभूषण सम्मान तक मिला है।

सुशांत के हाउस हेल्प रहे सैमुअल मिरांडा को राहत

अब विदेश जा सकेंगे

एजेंसी । नई दिल्ली

दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत के हाउस हेल्प रहे सैमुअल मिरांडा को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने 10 अप्रैल के लुक आउट सर्कुलर (LOC) को रद्द करने के बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा है। साथ ही केंद्र की उस अपील को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने सैमुअल मिरांडा के खिलाफ जारी लुक आउट सर्कुलर को रद्द करने के आदेश को चुनौती दी थी।

कोर्ट ने याचिका को खारिज करते हुए कहा इस मामले की सुनवाई के दौरान कोई भी पक्ष मौजूद नहीं था। साथ ही हमें याचिका में कोई भी ठोस कारण नजर नहीं आता, जिसे ध्यान में रखते हुए अपील को स्वीकार किया जा सके। मिरांडा ने दायर की थी होईकार्ट में याचिका सुशांत के पूर्व हाउस हेल्प सैमुअल मिरांडा ने 2024 में बॉम्बे हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की थी। इसमें उन्होंने 2020 में सीबीआई की ओर से उनके खिलाफ जारी किया गया LOC रद्द करने की मांग की थी।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड | मुंबई पुलिस ने बरामद की पिस्तौल

- मास्टरमाइंड की तलाश में 5 टीमें हरियाणा रवाना

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में मुंबई पुलिस ने एक और कदम आगे बढ़ती नजर आयी है। मुंबई पुलिस ने बाबा सिद्दीकी हत्याकांड से जुड़े हथियार बरामद किए है। मुंबई क्राइम ब्रांच ने पुणे में रूपेश मोहोल के घर से बाब सिद्दीकी हत्याकांड से जुड़ा हथियार बरामद किया है। मुंबई क्राइम ब्रांच ने पुणे में रूपेश मोहोल के घर से एक और पिस्तौल बरामद की है। क्राइम ब्रांच ने बताया कि बाबा सिद्दीकी हत्याकांड से जुड़ा ये बरामद किया गया पांचवा हथियार है। क्राइम ब्रांच को अभी भी इस मामले में एक हथियार और तीन जिंदा कारतूस की तलाश है।

राजस्थान से आए हथियार

एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या की जांच कर रही मुंबई पुलिस ने कहा है कि अपराध को अंजाम देने के लिए इस्तेमाल किए गए हथियार राजस्थान से आए थे। मुंबई क्राइम ब्रांच ने संदिग्धों का पता लगाने के लिए महाराष्ट्र के बाहर पांच टीमों को तैनात किया है और इसके अलावा, टीमें हरियाणा में जीशान की सक्रिय रूप से तलाश कर रही हैं, जिसकी पहचान हत्या के कथित मास्टरमाइंड के रूप में की गई है।

हिना गावित ने बीजेपी से दिया इस्तीफा

निर्दलीय चुनाव लड़ने का किया फैसला

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र विधानभा चुनावों में बीजेपी को नंदुरबार में बड़ा झटका लगा है। पार्टी की पूर्व सांसद हिना गावित ने बीजेपी से इस्तीफा दे दिया है। पेशे से डॉक्टर हिना गावित पूर्व एनसीपी विधायक विजय कुमार गावित की बेटी हैं। वह 2014 में नंदुरबार से लोकसभा के लिए चुनी गई थी। इसके बाद 2019 में हिना गावित फिर से जीती थीं लेकिन 2024 के चुनावों में हिना गावित हार गई थीं। लोकसभा चुनावों में कांग्रेस के जी के पाडवी को जीत मिली थी।

नहीं वापस लिया नामांकन

बीजेपी ने राष्ट्रीय प्रवक्ता और नंदुरबार की पूर्व सांसद हीना गावित ने अक्कलकुवा सीट से अपना नामांकन वापस लेने को कहा था। ऐसा नहीं करने पर कार्रवाई की चेतावनी दी थी। हीना गावित ने नामांकन वापस नहीं लेने के बाद पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। गावित अपनी संसदीय सीट नंदुरबार से अक्कलकुवा के मौजूदा विधायक केसी पाडवी के बेटे गोवल पाडवी से हार गईं। कांग्रेस ने अक्कलकुवा से केसी पाडवी को फिर से उम्मीदवार बनाया है।

मंत्री पिता नंदुरबार से बीजेपी प्रत्याशी

एक दिलचस्प मोड़ यह है कि गावित के पिता, राज्य के आदिवासी विकास मंत्री विजयकुमार गावित, पड़ोसी नंदुरबार निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के उम्मीदवार बने हुए हैं। यह इस्तीफा राज्य नेतृत्व द्वारा पार्टी के बागियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की धमकी के ठीक एक दिन बाद आया है। केसी पाडवी लगातार तीन जीत चुके हैं। विजय कुमार गावित नंदुरबार की सीट पर 1995 से लगातार जीत रहे हैं। वह 30 साल से विधायक हैं। पांच साल पहले तक उनके खिलाफ नौ आपराधिक मामले थे।

शिवसेना को मिली है यह सीट

हिना गावित विधानसभा चुनावों में अक्कलकुवा सीट से निर्दलीय चुनाव मैदान में उतरी हैं। महायुति में यह सीट बंटवारे के तहत शिवसेना को मिली थी। शिवसेना ने इस सीट से आमश्या फुजली पाडवी को उतारा है, जबकि एमवीए यानी कांग्रेस से एडवोकेट के सी पाडवी मैदान में हैं। दो बार नंदुरबार की सांसद रही हीना गावित आमश्या की उम्मीदवारी का विरोध कर रही थीं। अब उन्होंने बीजेपी द्वारा एक्शन लिए जाने की चेतावनी के बाद इस्तीफा दे दिया है।

गठबंधन में शामिल हुई सपा

पार्टी की सिटिंग सीटों पर प्रत्याशी नहीं उतारेगा महाविकास अघाड़ी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

हरियाणा चुनाव से सबक लेते हुए इंडिया गठबंधन में महाराष्ट्र के चुनाव में सपा को शामिल किया गया है। महाराष्ट्र में सपा की दो सिटिंग सीटों पर महा विकास अघाड़ी (इंडिया) गठबंधन ने अपने प्रत्याशी नहीं उतारे। शिवसेना (यूबीटी) के अनुरोध पर भायखला में सपा अपना प्रत्याशी वापस लेगी। इस तरह से सपा अब महाराष्ट्र मे आठ विधानसभा सीटों पर जोर लगाएगी। सपा ने गठबंधन के तहत महाराष्ट्र में 12

सीटें मांगी थीं, पर इन पर विचार नहीं किया गया। सिर्फ सपा की दो सिटिंग सीटों मानखुर्द शिवाजी नगर और भिवंडी ईस्ट में गठबंधन में शामिल किसी अन्य दल ने प्रत्याशी नहीं उतारे। सपा सूत्रों के मुताबिक, पार्टी महाराष्ट्र में इन दो सीटों के अलावा मालेगांव मध्य, धुले शहर, भिवंडी पश्चिम, तुलजापुर, परांडाय और औरंगाबाद पूर्व में चुनाव लड़ रही है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव भी वहां जनसभाएं कर चुके हैं। ऐसे माना जा रहा है कि बाकी आठ सीटों पर सपा के साथ महा अघाड़ी गठबंधन के प्रत्याशियों की फ्रेंडली फाइट होगी। सूत्रों के अनुसार उद्धव ठाकरे ने निजी तौर पर सपा से भायखाला सीट पर प्रत्याशी वापस लेने की बात कही है। सपा ने इस अनुरोध को स्वीकार कर लिया है। अब वह इस सीट पर प्रत्याशी नहीं उतारेगी।

'लाडली बहनों के लिए 10 बार भी जेल जाने को तैयार'

विपक्षियों पर गरजे मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे

डीबीडी संवाददाता । कल्याण

महिलाओं को वित्तीय सहायता देने वाली महाराष्ट्र सरकार की महत्वकांक्षी योजना लाडली बहन को लेकर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बड़ा बयान देते हुए विपक्षी दलों पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि वे लाडली बहनों के लिए 10 बार भी जेल जाने को तैयार है। वे मंगलवार को कल्याण पश्चिम में महायुति के उम्मीदवार विधायक विश्वनाथ भोईर के चुनाव प्रचार कार्यालय का उद्घाटन करने पहुंचे थे। इस मौके पर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने इस योजना को लेकर विपक्षी गठबंधन महाविकास अघाड़ी पर जमकर जुबानी हमला बोला। उन्होंने कहा, " लाड़ली बहिन योजना को रोकने के लिए MVA दो बार कोर्ट जा चुकी है और इसके लिए कोर्ट उन्हें फटकार भी लगा चुकी है।" शिंदे ने आगे कहा कि महाविकास अघाड़ी के नेता उनकी सरकार आने पर इस योजना से जुड़े अधिकारियों और नेताओं को जेल में डालने की बात कर रहे हैं।

'योजना जारी रखने के लिए 10 बार जेल जाने को तैयार'

इस योजना को लेकर अपनी प्रतिबद्धता जताते हुए मुख्यमंत्री शिंद ने कहा कि वे योजना जारी रखने के लिए एक बार तो क्या दस बार जेल जाने को तैयार हैं। विपक्षी गंठबंधन पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, "दुष्ट सौतेले भाई विरोध करने के लिए एक साथ आ गए हैं, उन्हें उनकी जगह दिखाने का समय आ गया है। हर तरफ दिवाली के पटाखे फूट रहे हैं, इस चुनाव में हम एटम बम फोड़ना चाहते हैं।"

विपक्षी गठबंधन पर सीएम ने दागा सवाल

इस मौके पर महाविकास अघाड़ी को खुली चुनौती देते हुए सीएम ने कहा कि वे अपनी सरकार के कार्यकाल का हिसाब देने को तैयार हैं लेकिन पहले विपक्षी गठबंधन बताए कि उनकी गठबंधन सरकार ने ढाई साल में क्या किया? उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि पिछली सरकार मुनाफाखोर थी इसीलिए उनके मंत्री और अधिकारी जेल गये। इस मौके पर शिवसेना, भाजपा, राकांपा, महायुति के प्रमुख नेता और सैकड़ों समर्थक मौजूद रहे।

अबू आजमी को विधानसभा चुनाव में जीत का भरोसा

महायुति पर लगाया वोट विभाजित करने का आरोप

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई। चुनावी राज्य महाराष्ट्र में मानखुर्द शिवाजी नगर विधानसभा सीट चर्चा के केंद्र में है। यहां पर समाजवादी पार्टी के दिग्गज नेता अबू आजमी की टक्कर राष्ट्रवादी कांग्रेस (एनसीपी) प्रत्याशी नवाब मलिक से है। मंगलवार को अबू आजमी ने इसपर अपनी प्रतिक्रिया दी। सपा प्रत्याशी अबू आजमी ने आईएएनएस से बात करते हुए पिछले चुनावों में अपने सफल ट्रैक रिकॉर्ड को देखते हुए चुनाव जीतने का भरोसा जताया है। उन्होंने कहा, 'धर्मनिरपेक्ष मतदाता, जिनमें दलित और गैर-मुस्लिम शामिल हैं, जो डॉ. भीमराव अंबेडकर के आदर्शों का समर्थन करते हैं, महायुति को खारिज कर देंगे। वह उन लोगों का विरोध करते हैं जो महात्मा गांधी के हत्यारे का महिमामंडन करते हैं, बुर्का पर प्रतिबंध लगाते हैं और मुसलमानों को निशाना बनाते हैं।'

'मैं लगभग 15,000 वोटों के अंतर से जीता था'

पिछले चुनाव में हुई जीत का जिक्र करते हुए आज़मी ने कहा, 'मेरी पहली जीत में, मैं लगभग 15,000 वोटों के अंतर से जीता था, उसके बाद 25,000 और फिर 30,000 से 35,000 वोटों के अंतर से। इस बार, मुझे और भी बड़े अंतर से जीतने की उम्मीद है।' उन्होंने वोटों को विभाजित करने के प्रयास के लिए महायुति की आलोचना करते हुए कहा, 'वह जीतने के लिए नहीं बल्कि वोटों को विभाजित करने और दूसरों को कमजोर करने के लिए यहां हैं। हालांकि, लोग इसे पहचानते हैं, और मुझे विश्वास है कि अधिक मतदाता इसके जवाब में एकजुट होंगे।' आजमी ने अपने निर्वाचन क्षेत्र में विकास के बारे में भी बात की, जिसमें नए स्कूलों, अस्पतालों और सड़कों के साथ-साथ एक कॉलेज और सार्वजनिक शौचालयों के निर्माण समेत कई बुनियादी ढांचों में सुधार का जिक्र किया।

अभिनेता सलमान खान को फिर धमकी

संदेश में लिखा- मंदिर जाकर माफी मांगों या दो 5 करोड़

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

ट्रैफिक पुलिस के हेल्पलाइन नंबर पर अभिनेता सलमान खान को बिश्नोई गिरोह के नाम पर फिर धमकी मिली है। यह संदेश कर्नाटक से आया था। इसमें लिखा है- लॉरेंस बिश्नोई का भाई बोल रहा हैयदि सलमान खान जिंदा रहना चाहते हैं तो उन्हें हमारे मंदिर में जाकर माफी मांगनी चाहिए या 5 करोड़ रुपए देने चाहिएऐसा न करने पर जान से मार देंगे, हमारी गैंग आज भी सक्रिय है। वर्ली पुलिस ने संदेश भेजने वाले का पता लगा लिया है। यह जानकारी कर्नाटक पुलिस के साथ साझा की गई। इसके बाद बेंगलुरू पुलिस ने 35 वर्षीय विक्रम नामक शख्स को हिरासत में लिया है। वर्ली पुलिस की एक टीम पूछताछ के लिए बेंगलुरु गई है।

हेल्पलाइन बनी सिरदर्द

मुंबई पुलिस ट्रैफिक हेल्पलाइन आम लोगों की सहूलियत के लिए शुरू की गई है। इस नंबर पर महीने भर में पांच धमकी भरे मैसेज मिल चुके हैं। यह हेल्पलाइन नंबर मुंबई पुलिस के लिए सिरदर्द बन गया है। सलमान खान के घर के बाहर फायरिंग के बाद इस नंबर पर अभिनेता को धमकियां मिली हैं।

वाट्सएप नंबर आसानी से उपलब्ध

पुलिस अधिकारी ने बताया कि मुंबई पुलिस का कांटैक्ट नंबर इंटरनेट पर खोजेंगे तो ट्रैफिक पुलिस का वाट्सएप नंबर आसानी से मिल जाता है। इसलिए ट्रैफिक पुलिस की हेल्पलाइन (व्हाट्सएप) पर संदेश भेजे जाते हैं।

एक महीने में पांच बार मिली धमकी

1. 16 अक्टूबर को ट्रैफिक पुलिस की हेल्पलाइन पर सलमान खान के नाम धमकी भरा संदेश मिला था। इसमें बिश्नोई गैंग से सुलह करने की एवज में पांच करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी गई थी। पुलिस ने आरोपी को जमशेदपुर से गिरफ्तार किया।
2. 30 अक्टूबर को ट्रैफिक पुलिस के नंबर पर सलमान खान को धमकी देते हुए 2 करोड़ रुपए की मांग की गई। आरोपी बांद्रा से गिरफ्तार।
3. 2 नवंबर को यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धमकी भरा संदेश मिला।

सीएम शिंदे ने कोल्हापुर से चुनाव प्रचार का किया आगाज

महायुति की तरफ से 10 बड़े ऐलान किए गए

डीबीडी संवाददाता । मुंबई/कोल्हापुर

महायुति ने मंगलवार को कोल्हापुर से चुनाव प्रचार का आगाज किया। यहां जनसभा को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस ने उद्धव ठाकरे की जमकर आलोचना की। उन्होंने कहा कि महाविकास अघाड़ी के नेता झूठ बोलते हैं। उन्होंने कहा कि 'उद्धव ठाकरे ने आज घोषणा की कि वह पूरे जिले में शिवाजी की मूर्ति लगाएंगे। मैं उनसे कहता हूं कि आइए मुंब्रा में शिव राय की मूर्ति बनाएं और छत्रपति को श्रद्धांजलि दें।

महायुति के दस बड़े ऐलान

1) महिलाओं को 2100 रुपये मासिक सहायता : महायुति की ओर से सीएम एक नाथ शिंदे ने ऐलान किया कि सरकार महिलाओं को 1500 की बजाय 2100 रुपये मासिक सहायता देगी। सुरक्षा बढ़ाने के लिए 25,000 महिलाओं को पुलिस बल में भर्ती किया जाएगा।

2)कृषि ऋण माफी और विस्तारित शेतकरी सम्मान योजना :वार्षिक वित्तीय सहायता को बढ़ाकर रु। 12,000 से रु। किसानों के लिए 15,000 रुपये और एमएसपी पर 20% सब्सिडी जोड़ी जाएगी।

3) सभी के लिए भोजन और आश्रय : सीएम एक नाथ शिंदे ने ऐलान किया कि प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति के लिए भोजन और आश्रय तक पहुंच सुनिश्चित की जाएगी।

4) वरिष्ठ नागरिक पेंशन 2100 रुपये होगी : महायुति की ओर से ऐलान किया गया कि सरकार मासिक पेंशन योजना को बढ़ाकर 1500 से 2100 करेगी।

5) आवश्यक वस्तुओं के लिए मूल्य स्थिरीकरण : सरकार की ओर से राज्य में आवश्यक वस्तुओं की कीमतों को स्थिर रखने का एलान किया गया।

6) छात्रों के लिए रोजगार और शैक्षिक सहायता : छात्रों को मासिक ट्यूशन सहायता के साथ 25 लाख नौकरियां निकाली जाएंगीं। विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से 10 लाख छात्रों के लिए 10,000 रु। सहायता की व्यवस्था की जाएगी।

7) 45,000 गांवों में सड़कें : राज्य भर के ग्रामीण क्षेत्रों में कनेक्टिविटी में सुधार के लिए सड़कों का विकास किया जाएगा।

8) आंगनबाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं के लिए बेहतर वेतन और सुरक्षा : आंगनबाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं का मासिक वेतन बढ़ाकर रु। 15,000 और आंगनवाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं के लिए सुरक्षा कवरेज प्रदान करना।

9) सौर और नवीकरणीय ऊर्जा : सौर और अन्य नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों में निवेश करके बिजली बिल में 30% की कमी लाने का ऐलान

10) विजन महाराष्ट्र@2029 : 2029 तक महाराष्ट्र के लिए एक परिवर्तनकारी दृष्टिकोण प्राप्त करने के लिए पदभार ग्रहण करने के 100 दिनों के भीतर बड़े बदलाव लाने का ऐलान।

सिगरेट मांगने पर मित्र की चाकू मार कर हत्या का प्रयास

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी एसटी स्टैंड के पास दो युवकों ने अपने ही दोस्त को केवल इस लिए चाकू मार दिया कि उसने उनसे पीने के लिए सिगरेट मांगी थी। निजामपुरा पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ हाफ मर्डर का केस दर्ज कर आरोपियों को तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार, भिवंडी के निजामपुरा इलाके स्थित रहेमान किराना दुकान के पास रहने वाले मोहसिन महबूब खान 29 वर्ष ने कल रात 11:30 बजे अपने मित्र आदिल मकबूल शेख और शाहेबाज से पीने हेतु सिगरेट मांगी थी। इस बात से नाराज दोनों युवकों मोहसिन खान को मारना शुरू कर दिया, वहीं शाहेबाज नामक युवक ने चाकू निकाल कर मोहसिन

को जान से मारने के उद्देश से उसके पेट के दाहिने बाजू वार कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया है। निजामपुरा पुलिस ने मोहसिन खान की शिकायत पर उसी इलाके के रहने वाले आदिल मकबूल शेख व शाहेबाज के खिलाफ बीएनएस की धारा 109, 115(2), 352, 3(5) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। इसकी जांच पुलिस निरीक्षक (गुन्हे) जाधव कर रहे है।

कार से 2.30 करोड़ बरामद

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

विधानसभा चुनाव के मद्देनजर ठाणे जिले में सभी स्थानों पर वाहनों की सघन जांच की जा रही है। इसी पृष्ठभूमि में धामनकर नाका के पास सहायक पुलिस आयुक्त सचिन संगले ने सीएमएस कंपनी की कैश हैंडलिंग गाड़ी नं. एमएच43-एचपी-7920 को रोक कर तलाशी ली तो मिलने वाले रुपए के संबंध में चालक ने नकदी सीएमएस कम्पनी के होने का दावा किया। लेकिन राशि और नकदी प्रबंधन

क्यूआर कोड का प्रमाण नहीं दे सका। इसके बाद इसकी सूचना चुनाव अधिकारी अमित सानप को दी गई। उन्होंने तुरंत एफएसटी टीम क्र. 6 व इस विभाग में कार्यरत हेमन्त पष्टे को सूचित कर घटना स्थल पर भेजा।

उचित कानूनी कार्रवाई जारी

हेमन्त पष्टे तुरंत एक टीम के साथ भिवंडी पूर्व के सहायक पुलिस आयुक्त के कार्यालय पहुंच गए, जहां गाड़ी नंबर एमएच43-एचपी-7920 में एक ड्राइवर, 2 गार्ड, 2 संरक्षक समेत कुल 5 व्यक्ति थे। इनकी अनुमति से उस वाहन में रखे बैग में तथा एटीएम मशीन में भुगतान किये जाने वाले सिल ट्रे में नकद राशि की गणना की गयी तो कुल राशि 2 करोड़ 30 लाख 17 हजार 600 रूपये पाया गया। पंचनामे में नोटों के प्रकार यानी 500, 200,100 रुपये के हिसाब से इसकी विस्तृत जानकारी पवन कौशिक आयकर निरीक्षक (जांच शाखा) कल्याण दे दी गई है।

उल्हासनगर में रिक्शे से गोमांस की तस्करी, 100 किलो गोमांस जब्त

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

उल्हासनगर शहर में गोमांस की तस्करी कर रहे एक रिक्शा चालक सहित एक अन्य व्यक्ति को बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने रंगे हाथ पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। इस रिक्शे से 100 किलो तक गोमांस जब्त किया गया है। सेंट्रल पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर आगे की जांच में जुट गयी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बजरंग दल

कार्यकर्ताओं को सूचना मिली कि अंबरनाथ से उल्हासनगर शहर में गोमांस बिक्री के लिए आ रहा है।मिली जानकारी के आधार पर कमल यादव, मनोज गौड़, राहुल सरोज, मन्नी सिंह और भास्कर शुक्ला ने उल्हासनगर के सुभाषनगर परिसर में एक संदिग्ध रिक्शा को रोका और उसकी जांच की। जांच के दौरान रिक्शे में करीब 100 किलो गोमांस मिला। इस मामले में सेंट्रल पुलिस स्टेशन में केस दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है और पुलिस जांच कर रही है कि गोमांस किसे बेचने के लिए लाया गया था और गाय को किस बूचड़खाने में काटा गया था। बजरंग दल कार्यकर्ता मनोज गौड़ ने इस बारे में कहा कि 'हमें मिली जानकारी के मुताबिक, अंबरनाथ से उल्हासनगर शहर में गोमांस की तस्करी की जा रही थी, इसलिए हमने संदिग्ध रिक्शा की जांच की। 100 किलो गोमांस मिलने के बाद, हमने उसे तुरंत पुलिस को सौंप दिया। हमारा उद्देश्य उल्हासनगर में ऐसी घटनाओं को रोकना है। इस घटना से उल्हासनगर शहर में सनसनी फैल गई है और पूरे गोमांस तस्करी नेटवर्क का पर्दाफाश करने के लिए पुलिस द्वारा आगे की जांच की जा रही है।

वंचित के ठाणे पूर्व जिला सचिव का शिवसेना (ठाकरे गट) में प्रवेश

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

कल्याण पूर्व विधानसभा के ठाणे जिला सचिव विजय थुरारे ने शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के कल्याण जिला प्रमुख और शिवसेना के महाविकास अघाड़ी के उम्मीदवार धनंजय बोडारे के समक्ष शिवसेना में शामिल हो अपना समर्थन देने की घोषणा की हैं। कल्याण पूर्व में उल्हासनगर का एक हिस्सा आता है और इस क्षेत्र में कई नागरिक समस्याएं हैं। लेकिन यहां की समस्याओं को लेकर विधायक ने कभी विधानसभा में आवाज नहीं उठाई। विजय

थुरारे ने कहा कि शिवसेना के उम्मीदवार धनंजय बोडारे सक्षम हैं और नागरिकों ने विधानसभा में उनकी आवाज उठाने के लिए हमने धनंजय बोडारे को चुना है। विजय थुरारे के साथ उनके सैकड़ों समर्थक व पदाधिकारी भी शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) पार्टी में शामिल हुए।

एमवीए की विफलताओं पर आरोपपत्र जारी करेगी भाजपा

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

भाजपा महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में महाविकास आघाडी (एमवीए) के नेताओं की विफलताओं को उजागर करने के लिए विपक्षी गठबंधन के खिलाफ रोजाना आरोपपत्र जारी करेगी। पार्टी के विधायक अतुल भातखलकर ने सोमवार को यह जानकारी दी। साथ ही आरोप लगाया उद्धव ठाकरे समेत एमवीए के अन्य नेताओं ने राज्य के विकास में बाधा डाली। इससे किसानों, महिलाओं और युवाओं के हितों को नुकसान पहुंचा। एमवीए पर भ्रष्टाचार के आरोप भी लगाए।

GARDEN ESTATE
HAPPINESS UNLIMITED
PHASE - II
P51700052971
आपके बजट के भीतर सुख-सुविधाओं से सम्पन्न 1 BHK फ्लैट बाल्कनी सहित आंबिवली में उपलब्ध...
8वीं मंजिल से आगे नदी का दृश्य
दुकान + 1 बीएचके + टेरेस फ्लैट
जल्द - से - जल्द कंस्ट्रक्शन स्थल पर भेंट दें
स्पेशल दीपावली ऑफर
किफायती मूल्य और गुणवत्ता
KDMC APPROVED KDMC
• आंबिवली रेलवे स्टेशन से सिर्फ 8 से 10 मिनट की दूरी पर।
• आंबिवली में सबसे बड़े कारपेट एरिया वाला 1 बीएचके फ्लैट।
• प्रमुख स्थान और स्टेशन रोड कनेक्टिविटी।
• पावर-बैकअप के साथ 2 हाई-स्पीड लिफ्ट।
• सीसीटीवी सुरक्षा, सौर जल तापन और वर्षा जल संचयन।
• क्षेत्र में उपलब्ध बहुउद्देशीय दुकानें; बच्चों के लिए खेल का मैदान और बगीचा।
• सभी फ्लैटों के लिए फूलों वाली बालकनी; कुछ फ्लैटों में 60 फीट चौड़ी बालकनी है।
PART OC
अधिभोग प्रमाणपत्र
प्राप्त
काम पूरा होने के करीब
सुनहरा अवसर... ऑफर केवल सीमित फ्लैटों के लिए मान्य... जल्दी करें!
अधिक जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट पर जाएं:
www.shreebalajidev.com
+91 889 889 0099
Developers
SHREE BALAJI DEVELOPERS
साइट कार्यालय : 46, प्लॉट नंबर 12/1, यादव नगर, मोहने, आंबिवली (पूर्व), कल्याण।

संपादकीय

कनाडा में उपद्रव

यूं तो कनाडा में भारत विरोधी गतिविधियों की घटनाएं गाहे-बगाहे सामने आती रहती हैं। जिन्हें लेकर ट्रूडो सरकार मूक दर्शक बनी रहती है। लेकिन ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर में हुई घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। अभिव्यक्ति व आस्था की आजादी की डींगें हांकने वाली ट्रूडो सरकार की, ब्रैम्पटन के मंदिर में हुई निंदनीय हिंसा से संवेदनशीलता से निबटने में अयोग्यता ही उजागर हुई है। लगातार खराब होते दोनों देशों के रिश्तों के बीच यह घटनाक्रम जस्टिन ट्रूडो सरकार की छवि पर दाग लगाता है। दरअसल, पिछले साल खालिस्तान समर्थक कार्यकर्ता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद ट्रूडो सरकार लगातार, भारत के साथ लापरवाही से रिश्ते खराब कर रही है। सतही तौर पर तो ट्रूडो ने ब्रैम्पटन के मंदिर में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना की निंदा की है। साथ ही कहा है कि उसके प्रत्येक कनाडाई नागरिक को स्वतंत्र तरीके और सुरक्षित रूप से अपनी आस्था की अभिव्यक्ति व पालन का अधिकार है। लेकिन दूसरी ओर राजनीतिक हितों की पूर्ति के लिये पृथकतावादियों को खुली छूट दी जा रही है। ऐसे में उन्हें भारत विरोधी तत्वों को मनमानी करने देने के लिये स्थिति को स्पष्ट करना होगा। यह आरोप दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जाएगा कि कनाडाई पुलिस ने हिंदू भक्तों को निशाना बनाया और खालिस्तान समर्थकों को बचाने की कोशिश की। निश्चित तौर पर ट्रूडो सरकार के इशारे पर यह घटनाक्रम सबसे बुरे दौर में पहुंचे भारत-कनाडा संबंधों के बीच आग में घी डालने जैसा कृत्य है। बहरहाल, यह तय है कि रह-रह कर सामने आ रही यह हिंदू-सिख संबंधों में तल्खी, भारत तथा कनाडा सरकारों के संबंधों में आ रही गिरावट से गहरे तक जुड़ती है। हाल के दिनों में कनाडा सरकार के मंत्रियों ने मर्यादा की सीमाएं लांघते हुए अनेक आक्षेप किये हैं। यहां तक कि कनाडा के उप विदेश मंत्री डेविड मॉरिसन ने भारतीय गृह मंत्री पर आरोप लगाये कि उन्होंने कनाडा में भारत विरोधी अलगाववादियों को निशाना बनाने के लिये हिंसा व खुफिया जानकारी जुटाने के आदेश दिए। जैसा कि स्वाभाविक ही था इस तरह के आरोप-प्रत्यारोप का भारत सरकार ने भी कड़ा प्रतिवाद किया है। भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कड़े शब्दों में इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है। नई दिल्ली ने इन आरोपों को बेतुका और निराधार बताकर नकार दिया है। आरोप है कि कनाडा सरकार खालिस्तान समर्थक कनाडाई नागरिकों को भारत सरकार के खिलाफ लड़ने के लिये उकसा रही है। इसके संरक्षण व उकसावे के चलते उनके भारत विरोधी प्रदर्शनों ने उन्हें भारतीय मूल के उन कनाडाई नागरिकों के साथ टकराव की राह पर ला खड़ा किया है, जो अपनी आस्तीन पर तिरंगा पहनते हैं। यह विडंबना ही है कि जो कनाडा गर्व के साथ अपने देश को अवसरों की शांतिप्रिय भूमि कहते हुए नहीं थकता है, उसे सांप्रदायिक सद्भाव और सार्वजनिक व्यवस्था के लिए खतरा पैदा करने वाले तत्वों के खिलाफ सख्ती से निबटने की जरूरत है। वास्तव में उपद्रव करने वाले तत्वों पर समय रहते नकेल कसने की जरूरत है, चाहे वे किसी भी समुदाय के हों। निश्चित रूप से जस्टिन ट्रूडो सरकार को वहां सक्रिय अलगाववादियों को भारत के खिलाफ जहर उगलने के लिये कनाडाई क्षेत्र के दुरुपयोग की अनुमति नहीं देनी चाहिए। निश्चित रूप से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर ट्रूडो सरकार द्वारा उपद्रवियों को संरक्षण देना उसकी राजनयिक और लोकतांत्रिक साख को कमजोर करने वाला कदम ही है। यह विडंबना ही है कि कानून का पालन करने वाले प्रवासी भारतीय सदस्यों की सुरक्षा और संरक्षा दांव पर है। दरअसल, अल्पमत में आई ट्रूडो सरकार राजनीतिक स्वार्थों के लिये निचले स्तर का खेल खेल रही है। वह चाह रही है कि अगले साल होने वाले आम चुनाव में फिर सरकार बना पाए। इससे पहले कि बहुत देर हो जाए, भारत-कनाडा संबंधों को बचाने के लिये गंभीर प्रयास करने की जरूरत है। अब तक के सबसे बुरे दौर से गुजर रहे भारत-कनाडा संबंधों को सामान्य बनाने के लिये यह अपरिहार्य शर्त भी है।

अमेरिका के कड़वाहट भरे चुनाव अभियान के वैश्विक दांव

कई साल पूर्व, एक चुटकुला प्रचलित था कि अमेरिकी डेमोक्रेट और रिपब्लिकन पार्टी के बीच अंतर वही है जो कोक और पेप्सी के बीच है। अब, लगता है कि दोनों अपनी-अपनी चटखारेदार झाग खो बैठे हैं और बृहद अपेक्षाओं के बीच, परस्पर विरोधी वैश्विक नज़रिये और अलग-अलग दृष्टिकोणों का प्रतिनिधित्व करते हैं। तरंगदायक स्वाद की जगह कड़वाहट ने ले ली है। अमेरिका में मतदाताओं के लिए, चिंता का विषय है बेरोजगारी, मुद्रास्फीति, आव्रजन, आय-स्तर में असमान वृद्धि और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं। सर्वेक्षणकर्ता लोकप्रिय रुझान को मापने के तरीकों के आधार पर भविष्य का अनुमान लगाने में व्यस्त हैं तो सट्टेबाज़ सिंडिकेट वांछित परिणाम पाने पर नज़र गड़ाए हुए हैं। इस रस्साकशी में अमेरिकी मतदाता फंसा हुआ है, तो शेष दुनिया चुनाव परिणाम का अन्य क्षेत्रों एवं वैश्विक भू-राजनीति पर असर क्या रहेगा, इसको लेकर पसोपेश में है। पश्चिमी एशिया की स्थिति अमेरिकी प्रशासन के लिए प्राथमिकता होनी चाहिए, क्योंकि वैश्विक तेल निर्यात में इसकी हिस्सेदारी 40 प्रतिशत है और अपनी तेल आपूर्ति सुरक्षा के लिए अमेरिका भी इस क्षेत्र पर निर्भर है। तेल की वैश्विक मांग और आपूर्ति संतुलित करने में पश्चिम एशिया की भूमिका अहम है। तेल एवं क्षेत्रीय सुरक्षा के मुद्दे, सऊदी अरब के साथ अमेरिका के संबंध और इस क्षेत्र पर इस्राइल-गाजा संघर्ष के नतीजे बहुत महत्वपूर्ण हैं। इस संभावना को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है कि डोनाल्ड ट्रंप और कमला हैरिस में कौन पश्चिम एशिया की स्थिति को सकारात्मक तरीके से प्रभावित कर सकता है, खासकर जबकि गाज़ा या वेस्ट बैंक में फलस्तीनी इलाका छिनने पर असंतोष बढ़ सकता है। दूसरा क्षेत्र जो सर्वाधिक प्रभावित होने की संभावना है, वह है लैटिन अमेरिका, जहां चीन का बढ़ता प्रभाव साफ देखा जा रहा है। पहले इस क्षेत्र को अमेरिका परस्त माना जाता था, परंतु इसमें चीन की भूमिका तेजी से बढ़ी है, जिसका नेतृत्व उसकी सरकारी क्षेत्र की कंपनियों द्वारा ऊर्जा, बुनियादी ढांचा और अंतरिक्ष उद्योगों में निवेश से हुआ। चीन दक्षिण अमेरिकी मुल्कों का शीर्ष व्यापारिक साझेदार है, जिसके चिली, कोस्टारिका, इक्वाडोर और पेरू के साथ मुक्त व्यापार समझौते हैं, इसके अलावा 21 लैटिन अमेरिकी देश चीन की 'बेल्ट एंड रोड पहल' में शामिल हैं। चीन ने लैटिन अमेरिकी मुल्कों के साथ कच्चे माल के क्षेत्र में लगभग 73 बिलियन डॉलर का निवेश किया है, जिसके तहत कोयला, तांबा, प्राकृतिक गैस, तेल और यूरेनियम समृद्ध देशों में रिफाइनरियां और प्रसंस्करण संयंत्र बनाना शामिल है। चीन ने अर्जेंटीना, बोलीविया और चिली में लिथियम उत्पादन और वाणिज्यिक बंदरगाहों, हवाई अड्डों, राजमार्गों और रेलवे प्रोजेक्ट में भी निवेश किया है। अमेरिका के लिए चिंता की बात यह हो सकती है कि चीन के ध्यान का केंद्र कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्लाउड कंप्यूटिंग और 5-जी तकनीक जैसे 'नवीनतम बुनियादी ढांचा' निर्माण है और इसके साथ अंतरिक्ष क्षेत्र में सहयोग को सुदृढ़ करने की तगड़ी कोशिशें करना भी है। लैटिन अमेरिका के लिए प्रमुख मुद्दा आव्रजन है, जो कि स्पष्ट रूप से लगातार जोर पकड़ रहा है, जैसा कि अमेरिकी सीमा पर हिरासत में लिए गए लोगों की संख्या से देखा जा सकता है। नशे के खिलाफ अमेरिकी प्रशासन की लड़ाई उन लैटिन अमेरिकी देशों को भी प्रभावित करती है, जो भले ही स्वयं उत्पादक न हों, लेकिन अमेरिका में ड्रग

और मानव तस्करी के लिए गलियारे के रूप में उपयोग किए जाते हैं। कोलंबिया के पत्रकार डायना ड्यूरन के अनुसार, अमेरिकी प्रशासन को अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए लैटिन- अमेरिका का महत्व समझने की जरूरत है। सितंबर में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों के बीच बहस के दौरान अमेरिका-रूस संबंधों का सवाल उठा था। जो बात अमेरिका को परेशान कर रही है, वह यह कि सोवियत संघ के विघटन के बाद, उम्मीद थी नया रूस उदार, लोकतांत्रिक और अपने पड़ोसियों के लिए मददगार होगा। रूस का उद्भव -विशेषतया पुतिन के नेतृत्व में – महाशक्ति बनने को अग्रसर देश के रूप में, अमेरिका की उम्मीदों को सालता है, जिससे संभावित आपसी सहयोग, संभावित संघर्ष में बदल गया है। जहां अमेरिका रूस को नजरअंदाज नहीं कर सकता वहीं रूस अमेरिकी चुनावों को लेकर बेपरवाह लगता है। कुछ विशेषज्ञों के अनुसार, रूसियों के लिए हैरिस अपेक्षाकृत अनजान हैं। हालांकि उनसे उम्मीद है कि वे बाईडेन के दृष्टिकोण को जारी रखेंगी, लेकिन ट्रम्प को एक 'मित्र' के रूप में जाना जाता है और तरजीह दी जाती है। बॉब

अशोक लवासा

वुडवर्ड की नवीनतम पुस्तक : 'वॉर' में ट्रम्प और पुतिन के बीच गुप्त बातचीत का जिक्र है, जिससे आशंका बलवती होती है कि ट्रम्प रूस को रियायतें दे सकते हैं। इससे रूस को यूक्रेनी संकट से निपटने में मदद संभव है, इसके अलावा रूस की ऊर्जा संसाधन संपन्नता के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने में इसके बढ़ते महत्व से जोड़ा जा सकता है। यही वजह कि प्रतिबंधों के बावजूद वह कई एशियाई व यूरोपीय देशों संग अपनी स्थिति मजबूत बनाए रखने में सक्षम रहा। जहां तक चीन का सवाल है, माना जाता है कि व्यापार, ताइवान और स्वच्छ ऊर्जा पर चुनाव परिणाम के संभावित प्रभाव को लेकर बीजिंग का 'थिंक टैंक' सावधानी से अध्ययन कर रहा होगा। व्यापारिक संबंधों को लेकर, चीन में कुछ लोग हैरिस की तुलना में ट्रम्प का पक्ष लेते हैं, लेकिन अधिकांश को लगता है कि रिश्ते मुख्यतः वास्तविक आर्थिक सोच से तय होंगे। प्रमुख मुद्दा शुल्क दर रहेगा, विशेषतया चीनी तकनीकी कंपनियों के लिए, जिनके वास्ते संभवतया एक अलग व्यवस्था बने। चीनी आयात पर अमेरिका की बेहद निर्भरता ने एक बड़े व्यापारिक घाटे को जन्म दिया है। बताने की जरूरत नहीं कि दोनों देशों में परस्पर आर्थिक निर्भरता का रिश्ता है, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश करने में, अमेरिका के लिए चीन पसंदीदा गंतव्य रहा है। अमेरिका की प्राथमिकताओं में से एक इसकी आपूर्ति शृंखलाओं का विविधीकरण भी है। जहां तक ताइवान का सवाल है, न तो हैरिस और न ही ट्रम्प वर्तमान स्थिति बदलना चाहेंगे। इसके अलावा, अमेरिका में यह अहसास बढ़ रहा है कि स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ने की जरूरत में चीन को फायदा मिलता है, क्योंकि उपकरणों के निर्माण में उसका प्रभुत्व है और अति आवश्यक पर मेटीरियल पर भी उसका नियंत्रण है। एक ऐसा क्षेत्र जिस पर अमेरिकी चुनाव परिणामों का सर्वाधिक प्रभाव पड़ेगा, वह है जलवायु परिवर्तन से निबटने में वैश्विक प्रयास, विशेषकर इस मुद्दे पर मुख्य दावेदारों के अलहदा नज़रिए के परिप्रेक्ष्य में। जहां एशिया और अफ्रीका की 'ऊर्जा की भूख' का समाधान खोजना सर्वमान्य है वहीं इनके मतभेदों का असर ऊर्जा पर्याप्तता के अलावा ऊर्जा के स्वरूप में बदलाव की प्राप्ति, वैश्विक संकल्प और सहयोग पर पड़ना तय है। राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों के बीच बहस के दौरान, हैरिस ने जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न होने वाले खतरे पर विस्तार से बात की और स्वच्छ ऊर्जा में बाइडेन प्रशासन की पहल और निवेश का उल्लेख किया। जहां हैरिस ने स्वच्छ ऊर्जा में निवेश के माध्यम से नए विनिर्माण रोजगार सृजित करने की बात कही वहीं ट्रम्प का जोर अमेरिकी उद्योग को विदेशी प्रतिस्पर्धा से बचाने और ऊर्जा जरूरतें पूरी करने के लिए उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करने पर था।

जीवन मंत्र स्वामी विवेकानंद

पूर्वजन्म की अवधारणा

मनुष्य अपने ऐहिक जीवन से इतना प्यार करता है कि उसकी यह आकांक्षा रहती है कि वह भविष्य में भी जीवित रहे। यह कहने की आवश्यकता नहीं कि इस युक्ति का कोई विशेष मूल्य नहीं है। पर इसमें सबसे आश्चर्यजनक बात तो यह है कि पाश्चात्य मतानुसार, इस जीवन के प्रति ममता से भविष्य के जीवन की जो संभावना सूचित होती है, वह केवल मनुष्य के बारे में सत्य है, दूसरे प्राणियों के बारे में नहीं।

भारत में पूर्वसंस्कार और पूर्वजीवन को प्रमाणित करने के लिए यह अभिनिवेश (जीवन के प्रति ममता) एक युक्तिस्वरूप हुआ है। मान लीजिए, यदि समस्त ज्ञान हमें प्रत्यक्ष अनुभव से प्राप्त हुए, तो यह निश्चित है कि हमने जिसका कभी प्रत्यक्ष अनुभव नहीं किया, उसकी कल्पना भी हम नहीं कर सकते, उसे समझ भी नहीं सकते। मुरगी के बच्चे अंडे से बाहर आते ही दाना चुगना आरंभ कर देते हैं। बहुधा ऐसा भी देखा गया है कि यदि कभी मुरगी द्वारा बत्तख का अंडा

सेया गया, तो बत्तख का बच्चा अंडे से बाहर आते ही पानी में चला जाता है और उसकी मुरगी मां इधर सोचती है कि शायद उसका बच्चा पानी में डूब गया। यदि प्रत्यक्ष अनुभूति ही ज्ञान का एकमात्र उपाय हो, तो मुरगी के बच्चों ने कहां से दाना चुगना सीखा? बत्तख के बच्चों ने कैसे जाना कि पानी ही उनका स्वाभाविक स्थान है? तुम कहते हो, यह जन्मजात प्रवृत्ति मात्र है।

यह जन्मजात प्रवृत्ति क्या है? हम लोगों में ऐसी बहुत सी जन्मजात प्रवृत्तियां हैं। जैसे, तुममें से अनेक महिलाएं पियानो बजाती हैं। तुमको अवश्य स्मरण होगा कि पहले पहल पियानो सीखना आरंभ किया था, तब तुमको सफेद और काले परदों पर कितनी सावधानी से उंगलियां रखनी पड़ती थीं, किंतु कुछ वर्षों के अभ्यास के बाद अब तुम किसी से बात भी करती रहती हो और उंगलियां पियानो पर अपने आप चलती रहती हैं, अर्थात् वह तुम सबकी जन्मजात प्रवृत्ति के रूप में परिणत हो गया। वह तुम लोगों के लिए पूर्ण रूप से स्वाभाविक हो गया है।

हम जो भी कार्य करते हैं, उनके बारे में भी ठीक ऐसा ही है। अभ्यास से वे सब जन्मजात प्रवृत्तियों में परिणत हो जाते हैं, और जहां तक हम जानते हैं, आज जिन क्रियाओं को हम जन्मजात प्रवृत्तियों की उत्पत्ति कहते हैं, वे सब तर्कपूर्ण ज्ञान की क्रियाएं थीं। योगियों की भाषा में जन्मजात प्रवृत्ति तर्क की निम्नभावापन्न क्रम-संकुचित अवस्था मात्र है। तर्कजन्य ज्ञान क्रम-संकुचित होकर स्वाभाविक संस्कार बन जाता है। अतएव यह युक्तिसंगत है कि हम जिसे जन्मजात प्रवृत्ति कहते हैं, वे सब पूर्व प्रत्यक्ष-अनुभूतियों के फल हैं। बत्तख के बच्चे पानी पसंद करते हैं, यह प्रत्यक्ष अनुभूतियों का फल है। योगी इसी को पुनर्जन्मवाद कहते हैं।

शख्सियत सिद्धार्थ शंकर रे

पश्चिम बंगाल के एक दूरदर्शी नेता

सिद्धार्थ शंकर रे एक प्रमुख भारतीय राजनीतिज्ञ, वकील और शिक्षक थे, जिन्हें पश्चिम बंगाल के राजनीतिक परिदृश्य में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए जाना जाता है। 20 सितंबर, 1920 को पश्चिम बंगाल में एक राजनीतिक रूप से सक्रिय परिवार में जन्मे रे ने कलकत्ता विश्वविद्यालय से अपनी शिक्षा प्राप्त की, जहाँ उन्होंने कानून की डिग्री हासिल की। बाद में उन्होंने प्रतिष्ठित हार्वर्ड विश्वविद्यालय में अध्ययन किया, जहाँ उन्हें शासन और कानून के बारे में अंतर्राष्ट्रीय जानकारी और अंतर्दृष्टि प्राप्त हुई।

रे ने अपना राजनीतिक जीवन भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से शुरू किया, जहां वे जल्दी ही रैंक में ऊपर उठे और जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी जैसे प्रमुख नेताओं के करीबी सहयोगी बन गए। उनकी राजनीतिक यात्रा ने उन्हें 1972 से 1977 तक पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के रूप में सेवा करते देखा। अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने समाज के हाशिए पर पड़े वर्गों के उत्थान के लिए प्रयास करते हुए सामाजिक सुधार, शिक्षा और बुनियादी ढाँचे के विकास पर ध्यान केंद्रित किया। मुख्यमंत्री के रूप में, रे को राजनीतिक अशांति और आर्थिक कठिनाइयों सहित महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ा। हालाँकि, वे अपने व्यावहारिक दृष्टिकोण और प्रगति के प्रति प्रतिबद्धता के लिए जाने जाते थे। उन्होंने कृषि और शिक्षा में कई सुधार शुरू किए, ग्रामीण आबादी की जीवन स्थितियों को बेहतर बनाने के लिए भूमि सुधार और ग्रामीण विकास परियोजनाओं को बढ़ावा दिया। अपने राजनीतिक जीवन के अलावा, रे एक प्रतिष्ठित वकील थे और उन्होंने भारत के अटॉर्नी जनरल के रूप में कार्य किया। वे भारतीय प्रबंधन संस्थान कलकत्ता के संस्थापक सदस्य भी थे, जिन्होंने भारत में प्रबंधन शिक्षा के विकास में योगदान दिया। मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के बाद, रे ने भारतीय राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाना जारी रखा, राज्यसभा के सदस्य के रूप में कार्य किया और विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों में भाग लिया। सार्वजनिक सेवा में उनके असाधारण योगदान के लिए उन्हें भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ₹भारत रत्न₹ की उपाधि से सम्मानित किया गया। सिद्धार्थ शंकर रे का 6 नवंबर, 2010 को निधन हो गया, वे भारतीय राजनीति और शासन में एक समृद्ध विरासत छोड़ गए, जिन्हें सामाजिक न्याय और प्रगतिशील नीतियों के प्रति उनके समर्पण के लिए याद किया जाता है।

जीवन ऊर्जा फ्रैंक कार्सन: जन्म - 6 नवंबर, 1926 **जन्म**

फ्रैंक कार्सन एक लोकप्रिय उत्तरी आयरिश हास्य अभिनेता और अभिनेता थे, जिनका जन्म 6 नवंबर, 1926 को हुआ था। अपनी ऊर्जावान कहानी कहने की कला और त्वरित बुद्धि के लिए प्रसिद्ध, वे ब्रिटिश कॉमेडी में एक प्रमुख व्यक्ति बन गए। कार्सन के जीवंत व्यक्तित्व और हास्य ने 22 फरवरी, 2018 को उनके निधन तक दर्शकों को मोहित कर रखा था।

खुद पर विश्वास रखें, तब भी जब दूसरे न करें

हंसी सबसे अच्छी दवा है; यह आत्मा को ठीक करती है। जीवन बहुत छोटा है, इसे गंभीरता से न लें; हर दिन हँसें। हर बाधा वापसी के लिए एक तैयारी है। बड़े सपने देखें, और उन सपनों का पीछा करने से न डरें। अच्छा हास्य बोध किसी भी स्थिति को बदल सकता है। सफलता इस बात से मापी जाती है कि आप कठिन समय में कितनी बार हँस सकते हैं। खुद पर विश्वास रखें, तब भी जब दूसरे न करें। जब प्रतिभा कड़ी मेहनत न करे, तो कड़ी मेहनत प्रतिभा को हरा देती है। मुस्कुराते रहें; यह लोगों को भ्रमित करता है। सिर्फ़ अपने सपनों का पीछा न करें - उत्साह के साथ उनका पीछा करें। सकारात्मक दृष्टिकोण एक शक्तिशाली उपकरण है; इसका बुद्धिमानी से उपयोग करें। कभी भी किसी को अपनी

चमक को फीका न करने दें; चमकते रहें। विपरीत परिस्थितियों का सामना करते हुए, हास्य खोजें और आगे बढ़ते रहें। सबसे अच्छा बदला एक अच्छी तरह से जीया गया जीवन है। यात्रा में आनंद खोजें, न कि केवल गंतव्य में। यदि आप ठोकर खाते हैं, तो इसे नृत्य का हिस्सा बनाएं। अपने आप को ऐसे लोगों से घेरें जो आपको हँसाते हैं और आपको ऊपर उठाते हैं। जीवन एक कॉमेडी है, और हम सितारे हैं। अपनी विशिष्टता को अपनाएँ; यही आपको विशेष बनाता है। जिज्ञासु बने रहें और सीखना कभी बंद न करें; यह जीवन को रोमांचक बनाए रखता है। एक मुस्कान एक ऐसा मोड़ है जो सब कुछ सीधा कर देता है। आपका रवैया एक पेंटब्रश की तरह है; यह आपकी दुनिया को रंग देता है। जीवन कठिन हो सकता है, लेकिन आप भी कठिन हैं। अपनी हंसी दूसरों के साथ साझा करें; यह संक्रामक और उत्थानशील है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

भगवान शंकर और माता पार्वती भिक्षुक वेश

भगवान शंकर और माता पार्वती भिक्षुक के वेश में वहाँ पधारे जिससे सभी स्त्रियाँ उन्हें प्रणाम करने के लिए यज्ञ छोड़ कर उठ गयी। इससे उन ऋषियों को बड़ा क्रोध आया और उन्होंने अपनी सिद्धि से कई विषधर सर्पों को उत्पन्न किया और उन्हें भिक्षुक रुपी महादेव पर आक्रमण करने को कहा किन्तु भगवान शंकर ने सभी सर्पों का दलन कर दिया। .तब उन ऋषियों ने वही उपस्थित अपस्मार को उनपर आक्रमण करने को कहा। स्कन्द पुराण में ऐसा भी वर्णित है कि उन्ही साधुओं ने अपनी सिद्धियों से ही अपस्मार का सृजन किया। अपस्मार ने दोनों पर आक्रमण किया और अपनी शक्ति से माता पार्वती को भ्रमित कर दिया और उनकी चेतना लुप्त कर दी जिससे माता अचेत हो गयी। ये देख कर भगवान शंकर अत्यंत क्रुद्ध हुए और उन्होंने १४ बार अपने डमरू का नाद किया। उस भीषण नाद को अपस्मार सहन नहीं कर पाया और भूमि पर गिर पड़ा। तत्पश्चात उन्होंने एक आलौकिक नटराज का रूप धारण किया और अपस्मार को अपने पैरों के नीचे दबा कर नृत्य करने लगे। नटराज रूप में भगवान शंकर ने एक पैर से उसे दबा कर तथा एक पैर उठाकर अपस्मार की सभी शक्तियों का दलन कर दिया और स्वयं संतुलित हो स्थिर हो गए। उनकी यही मुद्रा अंजलि मुद्रा कहलाई। उन्होंने उसका वध इसीलिए नहीं किया क्यूंकि एक तो वो अमर था और दूसरे उसके मरने पर संसार से उपेक्षा का लोप हो जाता जिससे किसी भी विद्या को प्राप्त करना अत्यंत सरल हो जाता। इससे विद्यार्थियों में विद्या को प्राप्त करने के प्रति सम्मान समाप्त हो जाता। जब उन साधुओं भगवान शंकर का वो रूप देखा तो उनका अभिमान समाप्त हो गया और वे बारम्बार उनकी स्तुति करने लगे। उन्होंने उसी प्रकार अपस्मार को निष्क्रिय रखने की प्रार्थना की ताकि भविष्य में संसार में कोई उसकी शक्तियों के प्रभाव में ना आये। नटराज रूप में महादेव ने जो १४ बार अपने डमरू का नाद किया था उसे ही आधार मान कर महर्षि पाणिनि ने १४ सूत्रों वाले रूद्राष्टाध्यायी माहेश्वर सूत्र की रचना की।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

सक्सेस मंत्र

फेलियर ही आपको सफलता के लिए तैयार करता है

किसी छोटे बच्चे से पूछो कि वह क्या बनना चाहता है, तो कोई टीचर बनना चाहता है, कोई डॉक्टर, तो अपने मां या पापा की तरह बनना चाहता है। कुछ दिनों के बाद उनके जवाब बदल जाते हैं। मगर बड़े होने के बाद भी अगर इसी तरह लक्ष्य बदलना अच्छी बात नहीं। कई बार लोग सफलता न मिलने से निराश होकर अपना रास्ता बदल देते हैं, तो कुछ लोग दूसरों के कहने पर या उनकी देखा-देखी अपना रास्ता बदल देते हैं। मगर ऐसा करना कितना सही है, यह इस कहानी में बताया गया है।

एक बार की बात है, एक निःसंतान राजा था, वह बूढ़ा हो चुका था और उसे राज्य के लिए एक योग्य उत्तराधिकारी की चिंता सताने लगी थी। योग्य उत्तराधिकारी के खोज के लिए राजा ने पुरे राज्य में ढिंढोरा पिटवाया कि अमुक दिन शाम को जो मुझसे मिलने आएगा, उसे मैं अपने राज्य का एक हिस्सा दूंगा।

राजा के इस निर्णय से राज्य के प्रधानमंत्री ने रोष जताते हुए राजा से कहा, महाराज, आपसे मिलने तो बहुत से लोग आएंगे और यदि सभी को उनका भाग देंगे तो राज्य के टुकड़े-टुकड़े हो जाएंगे। ऐसा अव्यावहारिक काम न करें। राजा ने प्रधानमंत्री को आश्वस्त करते हुए कहा, प्रधानमंत्री जी, आप चिंता न करें, देखते रहें, क्या होता है।

निश्चित दिन जब सबको मिलना था, राजमहल के बगीचे में राजा ने एक विशाल मेले का आयोजन किया। मेले में नाच-गाने और शराब की महफिल जमी थी, खाने के लिए अनेक स्वादिष्ट पदार्थ थे। मेले में कई खेल भी हो रहे थे।

राजा से मिलने आने वाले कितने ही लोग नाच-गाने में अटक गए, कितने ही सुरा-सुंदरी में, कितने ही आश्चर्यजनक खेलों में मशगूल हो गए तथा कितने ही खाने-पीने, घूमने-फिरने के आनंद में डूब गए। इस तरह समय बीतने लगा।

इन सभी के बीच एक व्यक्ति ऐसा भी था जिसने किसी चीज की तरफ देखा भी नहीं। उसके मन में निश्चित ध्येय था कि उसे राजा से मिलना ही है। इसलिए वह बगीचा पार करके राजमहल के दरवाजे पर पहुंच गया। पर वहां खुली तलवार लेकर दो चौकीदार खड़े थे। उन्होंने उसे रोका। उन्हें अनदेखा करके और चौकीदारों को धक्का मारकर वह दौड़कर राजमहल में चला गया, क्योंकि वह निश्चित समय पर राजा से मिलना चाहता था।

जैसे ही वह अंदर पहुंचा, राजा उसे सामने ही मिल गए और उन्होंने कहा, मेरे राज्य में कोई व्यक्ति तो ऐसा मिला जो किसी प्रलोभन में फंसे बिना अपने ध्येय तक पहुंच सका। तुम्हें मैं आधा नहीं पूरा राजपाट दूंगा। तुम मेरे उत्तराधिकारी बनोगे।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : **indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक :** राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

न्यूज़ ब्रीफ

सुप्रीम कोर्ट के 3 इन हाउस पब्लिकेशन का लोकार्पण

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सुप्रीम कोर्ट के तीन पब्लिकेशन लोकार्पण किया। इनमें राष्ट्र के लिए न्यायः भारत के सुप्रीम कोर्ट के 75 वर्षों पर चिंतन, भारत में जेलः जेल मैनुअल का मानचित्रण और सुधार तथा भीड़भाड़ कम करने के उपाय और लॉ स्कूलों के माध्यम से कानूनी सहायताः भारत में कानूनी सहायता प्रकोष्ठों के कामकाज पर एक रिपोर्ट शामिल है। इस मौके पर CJI डीवाई चंद्रचूड़, अगले CJI जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस बीआर गवई, केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल भी मौजूद थे।

550 मेड इन इंडिया मशीन पिस्टल सेना में शामिल

नई दिल्ली। भारतीय सेना की नॉर्दर्न कमांड में मंगलवार को 550 मेड इन इंडिया अस्मी मशीन पिस्टल शामिल की गई हैं। इसकी जानकारी भारतीय सेना ने X पर दी है। पोस्ट में लिखा- अस्मी मशीन पिस्टल 100% मेड इन इंडिया हथियार है। इसे भारतीय सेना ने डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (DRDO) की मदद से बनाया है। यह स्पेशल ऑपरेशन्स के लिए डिजाइन की गई है।

नंदनकानन एक्सप्रेस पर चली गोली, कोई घायल नहीं

भद्रक। ओडिशा के भद्रक जिले में मंगलवार को चलती ट्रेन पर कुछ लोगों ने गोलियां चलाईं, जिसके बाद जीआरपी ने जांच शुरू कर दी है। चरम्पा स्टेशन के पास हुई इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। रेलवे ने एक बयान में कहा कि रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के जवानों ने नंदन कानन एक्सप्रेस को सुरक्षित पुरी तक पहुंचाया। 12816 आनंद विहार-पुरी नंदन कानन एक्सप्रेस के गार्ड ने सूचना दी कि गार्ड वैन की खिड़की पर किसी चीज से हमला किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, यह घटना ओडिशा के भद्रक-बौड़पुर सेक्शन में सुबह करीब 9.30 बजे हुई।

भारत सरकार ने विकिपीडिया को नोटिस भेजा

नई दिल्ली। भारत सरकार ने मंगलवार को विकिपीडिया को नोटिस भेजकर कुछ शिकायतों पर जवाब मांगा है। विकिपीडिया पर एकतरफा और गलत जानकारी देने का आरोप है। सरकार ने सवाल पूछा कि विकिपीडिया को पूरी जानकारी देने वाली वेबसाइट की जगह कंटेंट पब्लिशर्स वेबसाइट क्यों नहीं माना जाना चाहिए? हालांकि, इसका भारत सरकार की तरफ से कोई ऑफिशियल बयान जारी नहीं हुआ है। विकिपीडिया की तरफ से भी अभी तक कोई जवाब नहीं आया है।

बुलेट ट्रेन ट्रैक का पुल गिरा, 2 की मौत, 1 घायल

आणंद। गुजरात के आणंद में बुलेट ट्रेन के लिए बनाए जा रहे ट्रैक का निर्माणाधीन पुल गिर गया है। पुल के मलबे में कई लोगों के दबे होने की जानकारी मिली है। आणंद जिले के पुलिस अधीक्षक जी. जी. जसानी ने बताया कि वासद के पास बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट चल रहा था, जिसमें लोहे की जाली गिरने से तीन से चार मजदूरों के दबने की सूचना मिली थी। 2 मजदूरों की मौत हो गई, जबकि एक मजदूर को बचा लिया गया है।

देशभर में 25 हजार करोड़ की जीएसटी चोरी पकड़ी गई

एजेंसी । नई दिल्ली

देश भर में चलाए गए विशेष अभियान के जरिए कर अधिकारियों ने जीएसटी के तहत पंजीकृत करीब 18,000 फर्जी कंपनियों का पता लगाया है, जो करीब 25,000 करोड़ रुपये की कर चोरी में शामिल हैं। इन कंपनियों ने धरातल पर किसी सामान की खरीद-बिक्री नहीं की। सिर्फ कागजों में सामान की खरीद-बिक्री दिखाकर इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) तैयार किया और उसके नाम पर सरकार से बड़ी रकम ले ली। 16 अगस्त से शुरू किए गए अभियान के दौरान कर अभियान में अधिकारियों ने 73,000 ऐसे कंपनियों और फर्मों की पहचान की थी, जिनके बारे में उन्हें संदेह था कि वे कर चोरी में लिप्त हैं या फिर कारोबार में हेराफेरी कर फर्जी तरीके से इनपुट टैक्स क्रेडिड का लाभ ले रही हैं। इनके भौतिक सत्यापन के दौरान 18,000 कंपनियों का अस्तित्व ही नहीं मिला।

सिर्फ कागजों पर चल रहीं कंपनियां

रिटर्न से जड़े रिकॉर्ड के आधार पर कर अधिकारियों को पता चला कि कंपनियां सिर्फ कागजों पर चल रही हैं। खरीद-बिक्री दिखाने में कंपनियों का चैन (समूह) है, जो आपस में एक-दूसरे को लगातार सामान की खरीद-बिक्री दिखाकर इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ उठा रही हैं।

बड़े स्तर पर गड़बड़ी मिली

सूत्रों का कहना है कि भौतिक सत्यापन के दौरान बड़ी संख्या में फर्म और कंपनियां पंजीकृत पते पर संचालित नहीं पाई गईं। जीएसटी रिटर्न के हिसाब से कंपनियों द्वारा जितना बड़ा कारोबार दिखाया जा रहा था, उतना स्टॉक मौके पर नहीं मिला। काफी फर्मों एवं कंपनियों का गोदाम पूरी तरह से खाली पाया गया। यहां तक की काफी जगहों पर गोदाम नाम की कोई चीज नहीं थी। जबकि उन फर्मों के रिटर्न के हिसाब से मौके पर गोदाम में बड़ा सामान उपलब्ध होना चाहिए था।

कर अधिकारियों को ब्याज माफ करने की अनुमति

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने कर अधिकारियों को निर्दिष्ट शर्तों के अधीन करदाता के देय ब्याज को माफ करने या कम करने की अनुमति दे दी है। इसके अनुसार, पीआरसीआईटी रैंक का अधिकारी 1.5 करोड़ रुपये से अधिक के बकाया ब्याज को कम करने या माफ करने का फैसला कर सकता है। 50 लाख रुपये से 1.5 करोड़ रुपये तक के बकाया ब्याज के लिए सीसीआईटी रैंक का अधिकारी छूट/कटौती का फैसला करेगा, जबकि पीआरसीआईटी या आयकर आयुक्त 50 लाख रुपये तक के बकाया ब्याज पर फैसला कर सकते हैं। वहीं धारा 220(2ए) के तहत देय ब्याज में कटौती या छूट तीन निर्दिष्ट शर्तों के पूरा होने पर मिलेगी।

धोखाधड़ी की जांच एक साल में पूरी करनी होगी

नई दिल्ली। सीबीआईसी ने सीमा शुल्क अधिकारियों से निर्यात/आयात धोखाधड़ी के मामलों में पत्र/समन जारी करते समय चल रही जांच की विशिष्ट प्रकृति का खुलासा करने और एक साल के भीतर जांच पूरी करने को कहा है। सीबीआईसी ने एक नवंबर को जारी निर्देश में कहा, " किसी भी वाणिज्यिक आसूचना/धोखाधड़ी के मामले की जांच जल्द से जल्द निष्कर्ष पर पहुंचनी चाहिए, जो सामान्यतः एक वर्ष से अधिक नहीं होती है। जांच शुरू करने से पहले यह जरूरी है कि सभी सूचनाओं पर गौर किया जाए तथा आयातक/निर्यातक के साथ संपर्क को कम करने के लिए उपलब्ध आंकड़ों की दोबारा जांच की जाए। सीबीआईसी के चेयरमैन संजय कुमार अग्रवाल ने कहा कि दिशानिर्देश सीआई धोखाधड़ी मामलों की जांच के दौरान न्यूनतम व्यवधान के दृष्टिकोण को रेखांकित करते हैं।

45 साल पहले दिया अपना ही फैसला पलटा

सरकारें सभी प्राइवेट प्रॉपर्टी पर नहीं कर सकतीं कब्जा

एजेंसी । नई दिल्ली

क्या सरकार आम लोगों की भलाई के लिए निजी संपत्तियों का संविधान के अनुच्छेद 39(बी) के तहत अधिग्रहण कर सकती है? इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट की 9 जजों की बेंच ने मंगलवार को 1978 (45 साल पहले) में दिया गया अपना ही फैसला पलट दिया।

7:2 के बहुमत से फैसला

CJI की अध्यक्षता वाली 9 जजों की बेंच ने 7:2 के बहुमत वाले फैसले में कहा, 'हर निजी संपत्ति को सामुदायिक संपत्ति नहीं कह सकते। कुछ खास संपत्तियों को ही सरकार सामुदायिक संसाधन मानकर इनका इस्तेमाल आम लोगों के हित में कर सकती है।'

कोर्ट में इस मसले पर 16 याचिकाएं दाखिल हुई थीं

बेंच 16 याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें 1992 में मुंबई स्थित प्रॉपर्टी ओनर्स एसोसिएशन (POA) द्वारा दायर मुख्य याचिका भी शामिल है। POA ने महाराष्ट्र हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट एक्ट (MHADA) अधिनियम के अध्याय VIII-ए का विरोध किया है। 1986 में जोड़ा गया यह अध्याय राज्य सरकार को जीर्ण-शीर्ण इमारतों और उनकी जमीन को अधिगृहीत करने का अधिकार देता है, बशर्ते उसके 70% मालिक ऐसा अनुरोध करें। इस संशोधन को प्रॉपर्टी ओनर्स एसोसिएशन की ओर से चुनौती दी गई है। महाराष्ट्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था कि MHADA प्रावधान संविधान के अनुच्छेद 31 सी द्वारा संरक्षित है, जिसे कुछ नीति निदेशक तत्वों (DPSP) को प्रभावी करने वाले कानूनों की रक्षा के इरादे से 1971 के 25 वें संशोधन अधिनियम द्वारा डाला गया था।

1978 में दिए जस्टिस कृष्ण अय्यर के फैसले को किया गया खारिज

बेंच ने 1978 में दिए जस्टिस कृष्ण अय्यर के उस फैसले को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था, 'सभी निजी संपत्तियों पर राज्य सरकारें कब्जा कर सकती हैं।' CJI बोले- पुराना फैसला विशेष आर्थिक, समाजवादी विचारधारा से प्रेरित था। हालांकि राज्य सरकारें उन संसाधनों पर दावा कर सकती हैं जो भौतिक हैं और सार्वजनिक भलाई के लिए समुदाय द्वारा रखे जाते हैं। CJI डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस हृषिकेश रॉय, जस्टिस जेबी पारदीवाला, जस्टिस मनोज मिश्रा, जस्टिस राजेश बिंदल, जस्टिस एससी शर्मा और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह फैसले पर एकमत थे। जस्टिस बी.वी. नागरत्ना ने बहुमत के फैसले से आंशिक रूप से असहमति जताई, जबकि जस्टिस सुधांशु धूलिया ने सभी पहलुओं पर असहमति जताई। सुप्रीम कोर्ट ने 1 मई को इस मामले में अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता समेत कई वकीलों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था।

भारत-कतर मनी लांड्रिंग को रोकने के लिए मिलकर करेंगे काम

एफआईयू कतर और भारत की बैठक में बनी सहमति

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत और कतर ने मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकी फंडिंग से जुड़े खतरों से निपटने के लिए आपसी सहयोग को बढ़ावा देने पर जोर दिया है। दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय वित्तीय खुफिया इकाई कतर (एफआईयू-कतर) और वित्तीय खुफिया इकाई-भारत (एफआईयू-आईएनडी) की बैठक में कई मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। एफआईयू-कतर के प्रमुख शेख अहमद अली थानी और एफआईयू-आईएनडी के प्रमुख विवेक अग्रवाल की मौजूदगी में नौ सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल ने चर्चा की। दरअसल, दोनों देश मनी लॉन्ड्रिंग, आतंकवाद के वित्तपोषण से संबंधित अपराधों को रोकने के लिए वर्षों से एक-दूसरे के साथ सहयोग करते आ रहे हैं। साथ ही वे एफएटीएफ के सदस्य हैं। इसलिए मौजूदा चुनौतियों के बीच दोनों देशों ने आतंकी फंडिंग व मनी लांड्रिंग को रोकने के लिए अपने अनुभवों को साझा किया।

बांदीपोरा में एनकाउंटर, एक आतंकी ढेर

केटसुन के जंगलों में एक और आतंकी के छिपे होने की खबर

एजेंसी । श्रीनगर

कश्मीर के बांदीपोरा के केटसुन फॉरेस्ट एरिया में मंगलवार को सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ हुई। जिसमें एक आतंकवादी मारा गया। अधिकारियों के मुताबिक सुरक्षाबलों को बांदीपोरा के चूंटपाथरी फॉरेस्ट में आतंकवादियों के छिपे होने की खबर मिली थी। जिसके बाद इलाके की घेराबंदी की गई और तलाशी अभियान शुरू किया गया। सर्चिंग के दौरान आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों पर गोलियां चलाईं, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। सुरक्षाबलों ने भी जवाबी कार्रवाई की, जिसमें एक आतंकी मारा गया। हालांकि इलाके में एक और आतंकी के छिपे होने की आशंका है। एनकाउंटर अभी जारी है। इससे पहले 2 नवंबर को भी श्रीनगर के खानयार में मुठभेड़ के दौरान एक आतंकवादी मारा गया था। इस एनकाउंटर में चार जवान घायल हुए थे।

सुरक्षाबलों का सर्च ऑपरेशन जारी

पिछले 5 दिन में चौथा एनकाउंटर

नवंबर महीने की शुरुआत में ही सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच श्रीनगर, बांदीपोरा और अनंतनाग में 3 एनकाउंटर हो चुके हैं। इनमें 4 जवान घायल हुए थे और 3 आतंकी मारे गए थे। 2 नवंबर को मारे गए आतंकियों में से एक की पहचान जाहिद राशिद के रूप में हुई। वहीं दूसरा अरबाज अहमद मीर था। दोनों को पाकिस्तान से ट्रेनिंग मिली थी। बांदीपोरा में चौथा एनकाउंटर चल रहा है।

केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी के खिलाफ एफआईआर दर्ज

कर्नाटक पुलिस के ADGP को धमकाने का आरोप

एजेंसी । बेंगलुरु

भारी उद्योग मंत्रालय के केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी के खिलाफ बेंगलुरु के संजय नगर पुलिस स्टेशन में मंगलवार को FIR दर्ज हुई है। केंद्रीय मंत्री और उनके बेटे निखिल पर कर्नाटक पुलिस के एडिशनल डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (ADGP) एम चंद्रशेखर को अवैध खनन घोटाले मामले की जांच के दौरान धमकी देने के आरोप है। शिकायत में कहा गया है कि कुमारस्वामी और उनके बेटे निखिल ने मामले की जांच में बाधा डालने की कोशिश की है। कुमारस्वामी 2006 से 2008 तक कर्नाटक के मुख्यमंत्री थे। इस दौरान उन पर 550 एकड़ की खनन जमीन को पट्टे पर गैरकानूनी तरीके से मंजूरी देने का आरोप है। मामला सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है।

जेपीसी अध्यक्ष के एकतरफा फैसलों के खिलाफ लोकसभा अध्यक्ष से मिले सदस्य

एजेंसी । नई दिल्ली

वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक पर विचार कर रही संसद की संयुक्त संसदीय समिति में शामिल विपक्षी सदस्यों ने समिति के अध्यक्ष के एकतरफा निर्णय लेने के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया है। विपक्षी सदस्यों ने मंगलवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात कर अपना पक्ष रखा। लोकसभा अध्यक्ष ने सदस्यों को उनकी शिकायत पर जल्द निर्णय लेने का आश्वासन दिया है। संसदीय संयुक्त समिति (जेपीसी) के अध्यक्ष जगदंबिका पाल पर कथित तौर पर एकतरफा निर्णयों को लेकर विपक्षी सदस्यों ने अपना विरोध दर्ज कराया है। विपक्षी सदस्यों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को एक ज्ञापन भी सौंपा। इस ज्ञापन में उन्होंने समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल की ओर से किए जा रहे एक तरफा निर्णयों का विस्तारपूर्वक उल्लेख किया है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात के बाद टीएमसी सांसद और समिति के सदस्य कल्याण बनर्जी, 'आप सांसद संजय सिंह और डीएमके सांसद ए. राजा ने कहा कि बहुत अच्छी चर्चा हुई।

लोकसभा अध्यक्ष को ज्ञापन

विपक्षी सदस्यों ने अपनी चिंताओं का विवरण देते हुए लोकसभा अध्यक्ष को एक ज्ञापन भी सौंपा है। सूत्रों का कहना है कि विपक्षी सदस्यों ने लोकसभा अध्यक्ष को एक पत्र भी सौंपा है, इसमें समिति के अध्यक्ष के कथित एकतरफा फैसलों को लेकर विरोध दर्ज कराया गया है। इस पत्र पर डीएमके सांसद ए. राजा, कांग्रेस के मोहम्मद जावेद व इमरान मसूद, एआईएमआईएम के असदुद्दीन ओवैसी, आम आदमी पार्टी के संजय सिंह और टीएमसी के कल्याण बनर्जी ने हस्ताक्षर किए हैं। जेपीसी में शामिल विपक्षी सदस्यों का कहना है कि समिति के अध्यक्ष कभी-कभी लगातार तीन दिन की बैठक बुला लेते हैं।

योगी सरकार को 'झटके' के साथ राहत

यूपी मदरसा एक्ट को 'सुप्रीम' मान्यता

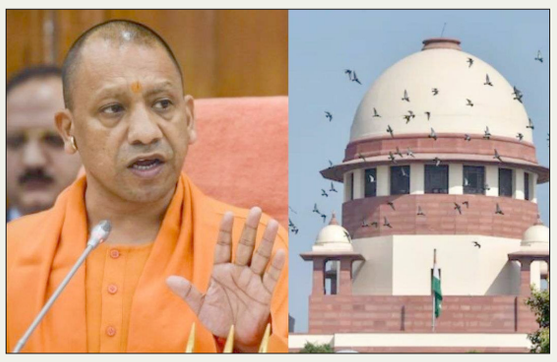

सुप्रीम कोर्ट ने UP मदरसा एक्ट बरकरार रखा लेकिन PG-रिसर्च सिलेबस तय करने पर रोक

एजेंसी । नई दिल्ली

यूपी मदरसा एक्ट वैध है या अवैध? सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार (5 नवंबर, 2024) को इस मामले पर बड़ा फैसला सुनाया. सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के (22 मार्च 2024) फैसले को पलटते हुए यूपी मदरसा एक्ट की संवैधानिकता को बरकरार रखते हुए मान्यता दी। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने यूपी मदरसा बोर्ड एक्ट को संविधान के मौलिक ढांचे के खिलाफ बताते हुए सभी छात्रों का दाखिला सामान्य स्कूलों में करवाने का आदेश दिया था। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ के नेतृत्व वाली सुप्रीम कोर्ट की तीन जस्टिस की बेंच ने कहा कि यह सही नहीं था।

'किसी भी छात्र को धार्मिक शिक्षा के लिए नहीं किया जा सकता बाध्य'

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को दिए फैसले में कहा कि राज्य सरकार शिक्षा को नियमित करने के लिए कानून बना सकती है। इसमें सिलेबस, छात्रों का स्वास्थ्य जैसे कई पहलू शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मदरसा मजहबी शिक्षा भी देते हैं, लेकिन उनका मुख्य उद्देश्य शिक्षा ही है। सर्वोच्च अदालत ने कहा कि किसी भी छात्र को धार्मिक शिक्षा के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने मदरसों से छीना डिग्री देने का अधिकार

यूपी मदरसा एक्ट को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एक्ट में मदरसा बोर्ड को फाजिल, कामिल जैसी डिग्री देने का अधिकार दिया गया है। यह यूजीसी एक्ट के खिलाफ है। इसे हटा देना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि डिग्री देना असंवैधानिक है, बाकी एक्ट संवैधानिक है। सीजेआई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने ये फैसला दिया।

पलटा इलाहाबाद हाई कोर्ट का फैसला

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बोर्ड सरकार की सहमति से ऐसी व्यवस्था बना सकता है, जहां मदरसा के धार्मिक चरित्र को प्रभावित किए बिना सेक्युलर शिक्षा दे सके। 5 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने यूपी मदरसा एक्ट पर सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट के आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी थी। इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने 22 अक्टूबर को फैसला सुरक्षित रख लिया था।

नींबू पहाड़ पर अवैध खनन मामले में सीबीआई ने कसा शिकंजा

झारखंड, बिहार और बंगाल में छापेमारी लाखों रुपये जब्त

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई ने झारखंड के निम्बू पहाड़ में अवैध पत्थर खनन घोटाले के सिलसिले में आज तीन राज्यों में 16 स्थानों पर तलाशी ली। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के कथित राजनीतिक सहयोगी पंकज मिश्रा जांच के दायरे में हैं। केंद्रीय जांच एजेंसी ने झारखंड, पश्चिम बंगाल और बिहार में तलाशी ली। अधिकारियों ने कहा कि इसने झारखंड के साहिबगंज में 11 स्थानों, रांची में तीन स्थानों और पटना और कोलकाता में एक-एक स्थान पर संदिग्धों और उनके सहयोगियों के परिसरों पर अभियान चलाया। उन्होंने बताया कि तलाशी के दौरान सीबीआई को 50 लाख रुपये नकद, एक किलोग्राम सोना और एक किलोग्राम चांदी के अलावा करोड़ों रुपये की संपत्ति के दस्तावेज भी बरामद हुए हैं। एजेंसी ने झारखंड उच्च न्यायालय के निर्देश पर 23 नवंबर, 2023 को मामला दर्ज किया था।

डिब्रूगढ़ में रास्ते को लेकर पुलिस से भिड़े लोग, कई घायल

एजेंसी । डिब्रूगढ़

असम मेडिकल कॉलेज द्वारा एक चाय बागान का रास्ता बंद किए जाने को लेकर मंगलवार को स्थानीय लोगों और पुलिस के बीच झड़प हो गई। इसमें एक अधिकारी समेत कई लोग घायल हो गए। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस झड़प में डिब्रूगढ़ जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निर्मल घोष घायल हो गए हैं। एएमसीएच अधिकारियों द्वारा जालान चाय बागान में अलूबारी लाइन गेट बंद किए जाने के बाद स्थानीय लोगों ने विरोध किया।

सूरत में 71 हीरा श्रमिकों ने आत्महत्या की : कांग्रेस

एजेंसी । नई दिल्ली

कांग्रेस ने मंगलवार को दावा किया कि पिछले 18 महीनों में सूरत में हीरा कारोबार से जुड़े कम से कम 71 श्रमिकों ने आत्महत्या की है। पार्टी ने कहा कि गुजरात सरकार को इन श्रमिकों के लिए पंजीकरण और वित्तीय सहायता समेत अन्य जरूरी फैसले करने चाहिए। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि गुजरात के हीरा उद्योग में 25 लाख श्रमिक हैं। इनमें से 8-10 लाख सिर्फ सूरत में हैं। जयराम के मुताबिक, प्रयोगशाला में निर्मित हीरों के आने से यह उद्योग बुरी तरह प्रभावित हुआ है। बड़े पैमाने पर छंटनी (सिर्फ फरवरी और जून 2024 के बीच 15 हजार कर्मियों की) और वेतन में कटौती हुई है। ऐसा होने की वजह से इस उद्योग में श्रमिकों के बीच बहुत बड़ा वित्तीय और मनोवैज्ञानिक संकट पैदा हो गया है।

खबर संक्षेप

राहुल गांधी ने शहीद चौक और नौ सड़कों का किया लोकार्पण

रायबरेली। रायबरेली के सांसद राहुल गांधी ने मंगलवार को दिशा की बैठक में भाग लिया। इससे पहले वह सुबह 10:09 बजे लखनऊ-रायबरेली सीमा पर चुरुवा हनुमान मंदिर पहुंचे और दर्शन किए। बछरावां में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया, और 10:45 बजे वह रायबरेली पहुंचे, जहां फिरोज गांधी डिग्री कॉलेज चौराहे पर स्थित शहीद चौक का उद्घाटन किया। राहुल गांधी ने 70.9 किमी लंबी नौ नई सड़कों का लोकार्पण भी किया, जो प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत एफडीआर तकनीक से बनी हैं, जिन पर 5367.88 लाख रुपये की लागत आई है। इसके बाद वे बचत भवन में जिला अनुश्रवण समिति (दिशा) की बैठक में शामिल हुए। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रखी गई थी।

दर्दनाक सड़क हादसा, 13 वर्षीय छात्रा की मौत

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर जिले के मोतीपुर थानाक्षेत्र के कल्याणपुर हरौना गांव में एक सड़क दुर्घटना में 13 वर्षीय छात्रा स्वाति कुमारी की जान चली गई। यह हादसा सोमवार देर रात उस समय हुआ जब स्वाति घर का सामान लेकर लौट रही थी। अचानक एक तेज रफ्तार पिकअप ने उसे टक्कर मार दी, जिससे वह मौके पर ही दम तोड़ गई। परिवार के सदस्यों का कहना है कि पिकअप चालक नशे में था, जिसके कारण वह वाहन को नियंत्रित नहीं कर सका। स्वाति के दादा चिरंजीवी सहनी ने बताया कि उनकी पोती सड़क पार कर रही थी, तभी तेज रफ्तार पिकअप ने उसे रौंद दिया। घटना के बाद ग्रामीणों ने पिकअप को पकड़ लिया और पुलिस को सूचित किया। मोतीपुर थाना पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेज दिया है और पिकअप को जब्त कर लिया है। पुलिस फरार चालक की तलाश में जुटी हुई है और मामले की जांच तेज़ी से की जा रही है।

महिला और बेटे की ट्रेन से कटकर मौत

बांका। बिहार के बांका जिले में एक महिला ने अपनी सास से नाराज होकर अपने 5 वर्षीय बेटे के साथ रेलवे पटरी पर बैठकर जान दे दी। घटना सोमवार देर शाम कटोरिया थाना क्षेत्र के उदयकुरा में हुई, जहां देवघर-अगरतला ट्रेन की चपेट में आने से 25 वर्षीय सुनीता देवी और उसका बेटा रंजन कुमार की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, सुनीता का अपनी सास से विवाद हुआ था, जिसके बाद वह गुस्से में अपने बेटे के साथ रेलवे पटरी पर बैठ गई। कुछ समय बाद जब ट्रेन वहां पहुंची, तो दोनों उसकी चपेट में आ गए। मंगलवार सुबह स्थानीय ग्रामीणों ने शवों के टुकड़ों को देखकर पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

झारखंड चुनाव: योगी आदित्यनाथ का हमला

जेएमएम के नेता आलमगीर आलम की तुलना औरंगजेब से की

एजेंसी । कोडरमा

झारखंड विधानसभा चुनावों के लिए प्रचार तेज हो गया है। मंगलवार को बीजेपी के नेता और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोडरमा में चुनावी रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने जेएमएम के नेता आलमगीर आलम और औरंगजेब की तुलना करते हुए जमकर हमला बोला।

योगी का आरोप

योगी आदित्यनाथ ने कहा, आज झारखंड में क्या हो रहा है? औरंगजेब ने देश को लूटने का काम किया और उसके पवित्र मंदिरों को नष्ट किया। ठीक इसी तरह जेएमएम का आलमगीर आलम भी लूटपाट कर रहा है। उसके घरों से नोटों की गड्डियां मिली हैं, जो झारखंड के गरीब लोगों की मेहनत की कमाई है। यह लूट का सबसे घटिया स्तर है।

कांग्रेस पर हमला

योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस पर भी निशाना साधते हुए कहा, 1947 में देश आजाद हुआ, लेकिन क्या कभी कांग्रेस ने गरीबों के लिए ईमानदारी से कोई योजना चलाई? पीएम मोदी ने 2014 में कहा था, 'सबका साथ, सबका विकास। इस भाषण ने झारखंड चुनावों में राजनीतिक तापमान बढ़ा दिया है, और यह देखने वाली बात होगी कि इससे चुनावी परिणामों पर क्या असर पड़ता है।

ईडी की कार्रवाई

ज्ञात हो कि ईडी ने हाल ही में आलमगीर आलम को गिरफ्तार किया था। 6 मई को उनके कई ठिकानों पर छापेमारी के दौरान करीब 30 करोड़ रुपये नकद बरामद हुए थे, जिसके लिए नोट गिनने की मशीनें मंगानी पड़ी थीं।

बसपा ने जारी की स्टार प्रचारकों की सूची

एजेंसी । लखनऊ

उत्तर प्रदेश की नौ विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने अपने स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। इस सूची में पार्टी प्रमुख मायावती और वरिष्ठ नेता सतीश चंद्र मिश्रा समेत कुल 40 नेताओं के नाम शामिल हैं, जो इन चुनावी सीटों पर बसपा के समर्थन में प्रचार करेंगे। बसपा के ये प्रमुख नेता चुनावी मैदान में पार्टी की जीत सुनिश्चित करने के लिए पूरी ताकत झोंकेंगे। प्रचारकों की यह टीम गाजियाबाद, मीरपुर, कुंदरकी, खैर, करहल, सीसमऊ, फूलपुर, कटेहरी और मझावां जैसी महत्वपूर्ण सीटों पर सक्रिय होगी। पहले इन सीटों पर 13 नवंबर को मतदान होना तय था। हालांकि, 4 नवंबर को चुनाव आयोग ने इस तारीख को एक हफ्ते के लिए बढ़ाकर 20 नवंबर कर दिया। अब सभी नौ सीटों पर 20 नवंबर को वोट डाले जाएंगे।

डीजीपी नियुक्ति पर अखिलेश का तंज

दिल्ली से लगाम लेने की कोशिश-अखिलेश

एजेंसी । लखनऊ

उत्तर प्रदेश में डीजीपी नियुक्ति अब राज्य सरकार के स्तर से ही हो सकेगी। सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई, जिसके तहत राज्य में पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) का चयन और नियुक्ति का अधिकार राज्य सरकार के पास होगा।

मनोनयन समिति का गठन

नए नियमों के अनुसार, डीजीपी नियुक्ति के लिए एक मनोनयन समिति का गठन होगा, जिसकी अध्यक्षता एक सेवानिवृत्त हाईकोर्ट न्यायाधीश करेंगे। समिति में मुख्य सचिव, संघ लोक सेवा आयोग से नामित अधिकारी, उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या उनके नामित अधिकारी, अपर मुख्य सचिव गृह और पूर्व डीजीपी सदस्य होंगे। इस नियमावली के तहत डीजीपी का न्यूनतम कार्यकाल दो वर्ष तय किया गया है। इसका उद्देश्य डीजीपी के चयन की प्रक्रिया को पारदर्शी और स्वतंत्र बनाना है ताकि इस नियुक्ति में राजनीतिक या कार्यकारी हस्तक्षेप न हो।

अखिलेश यादव का तंज

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इस फैसले पर सरकार पर निशाना साधा है। एक्स पर उन्होंने पोस्ट करते हुए लिखा कि किसी बड़े अधिकारी का कार्यकाल बढ़ाने की बात सुनी जा रही है, पर सवाल उठाया कि क्या इस व्यवस्था को लागू करने वाले दो वर्ष तक रहेंगे? इसके बाद उन्होंने तंज कसते हुए लिखा कि कहीं ये दिल्ली के हाथ से लगाम अपने हाथ में लेने की कोशिश तो नहीं है? दिल्ली बनाम लखनऊ 2.0।

वाराणसी में युवक ने पत्नी और बच्चों की हत्या कर भागा

एजेंसी । वाराणसी

वाराणसी के भदैनी इलाके में एक दिल दहला देने वाली घटना में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी और तीन बच्चों की गोली मार कर हत्या कर दी। आरोपी, राजेंद्र गुप्ता, वारदात के बाद से फरार है। पुलिस फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वॉड के साथ जांच में जुटी है।

हत्या का कारण बना तांत्रिक का प्रभाव

जानकारी के अनुसार, राजेंद्र किसी तांत्रिक के संपर्क में था, जिसने उसे विश्वास दिलाया कि उसकी प्रगति में पत्नी और बच्चे बाधा हैं। इस अंधविश्वास में आकर ही उसने परिवार की हत्या की। पुलिस राजेंद्र के साथ ही तांत्रिक की भी तलाश कर रही है। राजेंद्र का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। लगभग 20 साल पहले वह कई हत्याओं में शामिल था और इसके चलते जेल जा चुका था। पुलिस उसके अन्य आपराधिक मामलों की भी पड़ताल कर रही है। घटनास्थल पर लगभग 20 किराएदार रहते हैं। पुलिस ने उनसे और पड़ोसियों से भी पूछताछ शुरू कर दी है।

नाली विवाद में रिटायर्ड सिपाही की पीट-पीटकर हत्या

एजेंसी । आजमगढ़

आजमगढ़ के जीयनपुर क्षेत्र के जमीन हरखोरी (लड़ीहा) गांव में नाली के विवाद ने रिटायर्ड सिपाही की जान ले ली। पटीदारों के साथ हुए विवाद के बाद सिपाही नरसिंह यादव (65) की लाठी-डंडों से पिटाई की गई, जिससे उनकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। रिटायर्ड सिपाही नरसिंह यादव सोमवार सुबह अपने घर के सामने नाली की सफाई कर रहे थे। इस दौरान उनका बगल में रहने वाले पटीदार बलजीत यादव से विवाद हो गया। स्थानीय लोगों ने हस्तक्षेप कर मामला शांत करा दिया था, लेकिन रात को यह विवाद गंभीर रूप ले गया। रात करीब 9:30 बजे बलजीत यादव और उनके बेटों ने नरसिंह यादव पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। परिवार उन्हें इलाज के लिए निजी अस्पताल ले गया, लेकिन उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। घटना की सूचना मिलते ही जीयनपुर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और आरोपियों की तलाश में दबिश देना शुरू कर दिया।

हुसैनाबाद के वरिष्ठ अधिवक्ता चंद्रेश्वर प्रसाद का निधन

एजेंसी । पलामू

पलामू जिले के हुसैनाबाद अनुमंडल क्षेत्र के वरिष्ठ अधिवक्ता और सामाजिक कार्यकर्ता चंद्रेश्वर प्रसाद उर्फ लालता लाल का सोमवार को निधन हो गया। वे लगभग 85 वर्ष के थे। उनके निधन की खबर से कायस्थ मोहल्ला स्थित उनके आवास पर शोक की लहर दौड़ गई। राजद नेता संजय कुमार सिंह यादव ने उन्हें समाज का धरोहर बताया। विधायक कमलेश कुमार सिंह ने कहा कि वे बेबाकी से अपनी बातें रखते थे। जेएमएम के वरिष्ठ नेता आलोक कुमार सिंह उर्फ टूटू सिंह ने कहा कि शहर को अपूरणीय क्षति हुई है। चंद्रेश्वर प्रसाद के पुत्र आलोक कुमार ने बताया कि उनका स्वास्थ्य पिछले कई दिनों से खराब था और वे रांची के निजी अस्पताल में आईसीयू में भर्ती थे। सोमवार को दोपहर 12 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली।

पूर्व सैनिक देवी सहाय मिश्र का निधन

प्रतापगढ़ सेवा के दौरान मिले थे क़ई मेडल

एजेंसी । प्रतापगढ़

सेवानिवृत्त थल सेना के जवान देवी सहाय मिश्र का हृदय गति रुक जाने से निधन हो गया। वे 95 वर्ष के थे। पूर्व जिला पंचायत सदस्य एडवोकेट महेश मिश्र ने बताया कि देवी सहाय मिश्र कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे। उनका इलाज रायबरेली स्थित एम्स अस्पताल में चल रहा था। डॉक्टरों के प्रयास के बावजूद उनके स्वास्थ्य में सुधार नहीं हो रहा था। इसके बाद डॉक्टरों ने उन्हें दूसरे अस्पताल में ले जाने की सलाह दी। इसके बाद उन्हें मुंशीगंज लाया गया। लेकिन यहां अस्पताल में उपचार के दौरान उनका निधन हो गया। पूर्व सैनिक मिश्र का अंतिम संस्कार प्रयागराज में किया गया। आगे क्रिया अंतू के समीप उनके पैतृक गांव बभनी में होगी। पूर्व सैनिक मिश्र 1962, 1965 और 1971 के युद्ध में शामिल होकर अदम्य साहस का परिचय दिया था। उनकी वीरता को देखते हुए सेना अधिकारियों ने क़ई मेडल दिए थे। रिटायर्ड होने के बाद वे सामाजिक गति विधियों में शामिल होकर जन सेवा को अपना कर्म बनाया। जनहित कार्यों ने इन्हें लोकप्रिय बना दिया।

व्यापार जगत

शेयर बाजार में मजबूती: सेंसेक्स और निफ्टी में बढ़त

बाजार ने दिखाई सकारात्मक दिशा

एजेंसी । नई दिल्ली

05 नवंबर 2024 को देश के शेयर बाजार में गिरावट पर ब्रेक लग गया, और प्रमुख सूचकांक बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी दोनों ही हरे निशान पर बंद हुए। बंबई स्टॉक एक्सचेंज (BSE) का संवेदी सेंसेक्स 694.39 अंक, यानी 0.88 प्रतिशत की बढ़त के साथ 79,476.63 के स्तर पर बंद हुआ।

निफ्टी में भी तेजी

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) के संवेदी सूचकांक निफ्टी ने 217.95 अंक, यानी 0.91 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,213.30 पर कारोबार समाप्त किया। कारोबार के अंत में 2337 शेयरों में तेजी आई, जबकि 1448 शेयरों में गिरावट आई। 102 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ।

सेंसेक्स में प्रदर्शन

सेंसेक्स में 30 में से 21 शेयर हरे निशान पर बंद हुए, जिनमें JSW स्टील, टाटा स्टील, एक्सिस बैंक, इंडसइंड बैंक, एचडीएफसी बैंक, एसबीआई, और कोटक बैंक शामिल हैं। नुकसान में रहने वाले शेयरों में अडाणी पोर्ट्स, आईटीसी, एशियन पेंट, इन्फोसिस, और एल एंड टी शामिल रहे।

लाभ में रहने वाले शेयर

निफ्टी की कंपनियों में सबसे अधिक लाभ में रहने वाले शेयरों में JSW स्टील, टाटा स्टील, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, बजाज ऑटो, और एक्सिस बैंक शामिल रहे। दूसरी ओर, कोल इंडिया, ट्रेंट, अडानी पोर्ट्स, एशियन पेंट्स, और ITC के शेयर नुकसान में रहे।

रुपए की स्थिरता

भारतीय रुपया मंगलवार को 84.10 प्रति डॉलर पर स्थिर बंद हुआ। सुबह में यह 84.12 प्रति डॉलर पर खुला था, जबकि सोमवार को यह 84.05 से गिरकर 84.12 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया था।

सुबह की स्थिति

सुबह के कारोबार में सेंसेक्स 100.64 अंक, यानी 0.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 78,681.60 के स्तर पर खुला, जबकि निफ्टी 13.50 अंक, यानी 0.06 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,981.80 पर खुला था।

सारेगामा इंडिया का लाभ 6.2% घटा

एजेंसी । नई दिल्ली

संगीत लेबल कंपनी सारेगामा इंडिया लिमिटेड का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में 6.2 प्रतिशत घटकर 44.95 करोड़ रुपए रहा है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का लाभ 47.99 करोड़ रुपए था।

आमदनी में वृद्धि

कंपनी ने मंगलवार को जानकारी दी कि इस दौरान उसकी आमदनी 40.5 प्रतिशत बढ़कर 241.83 करोड़ रुपए रही, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 172.35 करोड़ रुपए थी।

बढ़ी परिचालन लागत

कंपनी ने बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी परिचालन लागत 87.12 करोड़ रुपए रही, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 40.60 करोड़ रुपए थी। इससे स्पष्ट है कि लागत में वृद्धि ने लाभ को प्रभावित किया है। सारेगामा इंडिया के इस वित्तीय प्रदर्शन पर उद्योग के विशेषज्ञों की नजरें टिकी हुई हैं, जबकि कंपनी ने भविष्य में बेहतर प्रदर्शन के लिए रणनीतियों पर काम करने की योजना बनाई है।

आरआरबी विलय की नई प्रक्रिया

बैंकों की संख्या 43 से घटकर 28 होगी

एजेंसी । नई दिल्ली

वित्त मंत्रालय ने क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) के विलय की प्रक्रिया का चौथा चरण शुरू कर दिया है, जिसके परिणामस्वरूप इन बैंकों की संख्या 43 से घटकर 28 होने की उम्मीद है। मंत्रालय द्वारा तैयार की गई योजना के अनुसार, विभिन्न राज्यों में 15 आरआरबी का विलय किया जाएगा। इस प्रक्रिया में आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों का प्रमुख योगदान होगा, जहां प्रत्येक में तीन से चार बैंक शामिल हैं। अन्य राज्यों में बिहार, गुजरात, जम्मू-कश्मीर, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा और राजस्थान हैं, जहां दो-दो बैंकों का विलय होगा।

तेलंगाना में आरआरबी का विलय आंध्र प्रदेश ग्रामीण विकास बैंक (एपीजीवीबी) की परिसंपत्तियों और देनदारियों को एपीजीवीबी तथा तेलंगाना ग्रामीण बैंक के बीच विभाजित

करने के अधीन होगा। वित्तीय सेवा विभाग ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के प्रमुखों को इस संबंध में पत्र भेजा है, जिसमें कहा गया है कि क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का विलय आवश्यक है ताकि 'एक राज्य-एक क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक' का लक्ष्य पूरा किया जा सके। इससे व्यापक दक्षता और लागत में कमी लाने में मदद मिलेगी।

नोएल टाटा की टाटा संस बोर्ड में एंट्री

13 साल बाद बदला नियम, एक साथ निभाएंगे दो भूमिकाएं

एजेंसी । नई दिल्ली

नई दिल्ली: दिग्गज उद्योगपति रतन टाटा के निधन के बाद टाटा ग्रुप में लीडरशिप में एक बड़ा बदलाव हुआ है। 1 नवंबर को नोएल टाटा को टाटा संस के बोर्ड में शामिल किया गया। इससे पहले उन्हें टाटा ट्रस्ट का चेयरमैन नियुक्त किया गया था। टाटा संस के बोर्ड में अब कुल नौ डायरेक्टर हैं, जिनमें दो एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, तीन नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर और चार स्वतंत्र डायरेक्टर शामिल हैं। नोएल टाटा के साथ टीवीएस के चेयरमैन एमेरिटस वेणु श्रीनिवासन और पूर्व रक्षा मंत्रालय अधिकारी विजय सिंह भी बोर्ड में शामिल हैं। ये सदस्य टाटा ट्रस्ट की कार्यकारी समिति में हैं, जो टाटा संस की दिशा को प्रभावित करते हैं। नोएल टाटा, रतन टाटा के सौतेले भाई हैं और उनके पास टाटा ग्रुप के रिटेल और निवेश वेंचर्स में व्यापक अनुभव है। 67 वर्षीय नोएल टाटा ट्रेंट और वोल्टास के चेयरमैन

और टाइटन तथा टाटा स्टील के वाइस चेयरपर्सन हैं। उन्होंने ग्रुप की रिटेल यूनिट ट्रेंट से जुड़कर राजस्व में 430 प्रतिशत की वृद्धि की। वोल्टास के साथ उनके कार्यकाल में कंपनी की आय दोगुनी हो गई और शेयर की कीमत में 300 प्रतिशत की वृद्धि हुई। नोएल टाटा की नियुक्ति से यह संकेत मिलता है कि टाटा परिवार अब ग्रुप की गतिविधियों पर और अधिक करीबी नजर रखेगा।

मझगांव डॉक ने जारी किए शानदार Q2 नतीजे

एजेंसी । नई दिल्ली

डिफेंस सेक्टर की सरकारी कंपनी मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स ने मंगलवार को दूसरी तिमाही (Q2) के नतीजे जारी किए हैं। सितंबर तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 76 फीसदी बढ़कर 585 करोड़ रुपए हो गया, जबकि पिछले साल की समान तिमाही में यह 333 करोड़ रुपए था। कंपनी का रेवेन्यू भी 52 फीसदी की वृद्धि के साथ 2,757 करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही में 1,828 करोड़ रुपए था। कामकाजी मुनाफा (EBITDA) 510 करोड़ रुपए तक पहुंच गया, जबकि पिछले साल की सितंबर तिमाही में यह 176 करोड़ रुपए था। इस दौरान कंपनी का मार्जिन 9.6 फीसदी से बढ़कर 18.5 फीसदी हो गया। तिमाही नतीजों के बाद मझगांव डॉक के शेयर में 7 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई। कारोबार के दौरान स्टॉक ने 4325.90 का उच्चतम स्तर छुआ और 3989 पर न्यूनतम स्तर पर रहा। पिछले एक साल में इस सरकारी शेयर ने निवेशकों को लगभग 125 फीसदी का शानदार रिटर्न दिया है।

कंपनी ने 22 अक्टूबर को हुई बोर्ड मीटिंग में वित्त वर्ष 2024-25 के लिए प्रति इक्विटी शेयर 23.19 रुपए का अंतरिम डिविडेंड घोषित किया। यह डिविडेंड शेयरधारकों के लिए 231.9 फीसदी की इनकम प्रदान करेगा, क्योंकि स्टॉक की फेस वैल्यू 10 रुपए है।

इन सकारात्मक नतीजों ने मझगांव डॉक को निवेशकों के लिए एक आकर्षक विकल्प बना दिया है।

बॉर्डर-गावस्कर सीरीज से पहले चार दिवसीय अनधिकृत टेस्ट मैच में खोलेंगे हाथ, अंतिम एकादश का अपना दावा करना चाहेंगे पुख्ता

लोकेश राहुल के पास आखिरी मौका

नंबर गेम

- 618 रन राहुल ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए 11 मैच में 34 .33 की औसत से एक शतक से बनाए हैं
- 9 रन बनाए थे ऑस्ट्रेलिया में 2019 में सिडनी में खेले गए अपने आखिरी मुकाबले में केएल ने
- 3 हजार रन टेस्ट में पूरे करने से राहुल 19 रन दूर हैं। वह अब तक 2981 रन बना चुके हैं

एजेंसी । मेलबर्न

पिछले लंबे समय से फॉर्म के लिए जूझ रहे लोकेश राहुल के पास बॉर्डर-गास्कर सीरीज से पहले खुद को साबित करने का अच्छा मौका है। वह बुधवार से ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ शुरू हो रहे चार दिवसीय अनधिकृत टेस्ट मैच में अपने हाथ खोलकर फिर से अंतिम एकादश का अपना दावा पुख्ता करना चाहेंगे। बेंगलुरु में पहले टेस्ट में 0 और 12 रन पर आउट होने के बाद उन्हें टीम में जगह नहीं मिली। उनकी जगह सरफराज खान को मौका दिया गया। हालांकि पहले टेस्ट में 150 रन बनाने के बाद मुंबई का यह बल्लेबाज भी अगली चार पारियों में 21 रन (11,9,0,1) ही बना पाया। इससे उनका ऑस्ट्रेलिया खिलाफ अंतिम एकादश में जगह बनाना मुश्किल है। रोहित शर्मा पांच मैचों की सीरीज में अगर 22 नवंबर से पर्थ में खेले जाने वाले पहले टेस्ट से बाहर रहते है तो राहुल की एकादश में वापसी हो सकती है। यह ऑस्ट्रेलिया दौरा राहुल का भविष्य भी तय करेगा। भारतीय टीम अगर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में पहुंचने में नाकाम रहती है तो फिर 32 साल के राहुल के साथ ही कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली, आर अश्विन और जडेजा शायद ही एक-साथ फिर से टेस्ट खेलते नजर आएं।

राहुल का ओवर आल प्रदर्शन

मैच	रन	सर्वोच्च	औसत	50/100
53	2981	199	33.87	15/8

इस साल का प्रदर्शन

मैच	रन	सर्वोच्च	औसत	50/100
5	287	86	33.42	2/0

"मैंने कुछ साल पहले भारत में एक मैच में उनके खिलाफ गेंदबाजी की है। अपने मैदान पर उनके खिलाफ गेंदबाजी करने का अनुभव अलग तरह का होगा। वह विश्व स्तरीय खिलाड़ी है लेकिन मुझे लगता है कि वह ऐसा बल्लेबाज है जिसके खिलाफ पारी की शुरुआत में मेरे पास दबदबा बनाने का मौका होगा। उम्मीद है कि मैं आगामी मैचों में उस पर भारी पड़ूंगा।'

– स्कॉट बोलैंड, पेसर ऑस्ट्रेलिया ए

दो साल से शतक का इंतजार

कर्नाटक का यह विकेटकीपर बल्लेबाज पिछले करीब दो साल से लाल गेंद के क्रिकेट में शतक नहीं जड़ पाया है। उन्होंने पिछला सैकड़ा सेंचुरियन में दिसंबर 2023 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उसके घर में जड़ा था। उसके बाद से आठ पारियां खेलीं जिसमें एक में खाता भी नहीं खो पाए। ऐसे में राहुल भारत ए से खेलते हुए बड़ी पारी खेलना चाहेंगे। वह लय में लौट सके इसी लिए उन्हें टीम के अन्य सदस्यों से पहले ही ऑस्ट्रेलिया भेजा गया है। उनके साथ युवा विकेटकीपर ध्रुव जुरेल ने भी न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के खत्म होते ही ऑस्ट्रेलिया के लिए उड़ान भरी। यह दोनों खिलाड़ी एमसीजी में दूसरे चार दिवसीय मैच में भारत ए के लिए खेलेंगे।

अभिमन्यु भी दिखाएंगे दम

घरेलू क्रिकेट में रनों का अंबार लगाने वाले अभिमन्यु ईश्वरन भी टेस्ट कैप पहनने को बेताब होंगे। हालांकि इसके लिए उन्हें बड़ी पारी खेलनी होगी। वह अब तक भारत ए से खेलते हुए दो पारियों में सिर्फ 19 रन बना पाए हैं। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के पहले टेस्ट में खेलना संदिग्ध हैं। ऐसे में यशस्वी के साथ ईश्वरन पर्थ में भारतीय पारी का आगाज कर सकते हैं। उन्हें पहली बार टेस्ट खेलने का मौका मिल सकता है।

नौ साल पहले जड़ा था ऑस्ट्रेलिया में शतक

राहुल का हालांकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसकी सरजमीं पर प्रदर्शन अच्छा नहीं हैं। वह यहां पांच मैच की नौ पारियों 20 .77 की औसत से सिर्फ 187 (3,1,110,16,2,44,2,0,9) रन बना पाए हैं। यह उन्होंने अपना एकमात्र शतक अपने पहले ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान सिडनी में जनवरी 2015 में जड़ा था। उसके बाद से छह पारियां खेली उसमें एक अर्धशतक तक नहीं जड़ पाए।

जोरदार वापसी कर सकता है भारत : हेजलवुड

एजेंसी । सिडनी

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड का मानना है कि न्यूजीलैंड से करारी हार से भारत का आत्मविश्वास डगमगा गया होगा। पर साथ ही उन्होंने अपनी टीम को आगाह करते हुए कहा कि भारतीय टीम अधिक आक्रामक होकर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में जोरदार वापसी कर सकती है। उन्होंने कहा, कहा, वह (भारत) घायल शेर की तरह वापसी करने के लिए प्रतिबद्ध होगा। सीरीज शुरू होने पर ही हमें पता चलेगा की चीजें कैसे आगे बढ़ रही हैं। इस करारी हार से उनका आत्मविश्वास कुछ डगमगाया होगा। उसके कुछ खिलाड़ी यहां खेल चुके हैं लेकिन कुछ ऐसे बल्लेबाज हैं जिनको यहां खेलने का अनुभव नहीं है। इसलिए वह पूरी तरह से सुनिश्चित नहीं होंगे कि उन्हें यहां किस तरह की चुनौती का सामना करना पड़ेगा।

मनदीप ने डब्ल्यूबीएफ का सुपर फेदरवेट विश्व खिताब जीता

एजेंसी । नई दिल्ली

भारतीय पेशेवर मुक्केबाज मनदीप जांगड़ा ने केमैन आइलैंड में विश्व मुक्केबाजी महासंघ (डब्ल्यूबीएफ) का सुपर फेदरवेट विश्व खिताब जीता। जांगड़ा ने रविवार को ब्रिटेन के कोनोर मैकिन्टोश को पराजित किया। पूर्व ओलंपिक रजत पदक विजेता रॉय जोंस जूनियर से प्रशिक्षण लेने वाले जांगड़ा ने अपने पेशेवर करियर में सिर्फ एक मुकाबला हारा है। ब्रिटिश मुक्केबाज के खिलाफ मुकाबले में अधिकतर राउंड में उनका पलड़ा भारी रहा।

10 राउंड में अपना दमखम बरकरार रखा

उन्होंने शुरू से ही दमदार मुक्के जमाए और पूरे 10 राउंड में अपना दमखम बरकरार रखा। दूसरी तरफ ब्रिटिश मुक्केबाज को गति बनाए रखने के लिए संघर्ष करना पड़ा। कॉनर ने वापसी की कोशिश की, लेकिन जांगड़ा ने अधिकतर राउंड में बढ़त बनाए रखी। जांगड़ा ने पेशेवर करियर में 12 मुकाबलों में से 11 जीते हैं। इनमें सात नॉकआउट जीत शामिल हैं। उन्होंने एमेच्योर मुक्केबाज के रूप में 2014 में राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीता था। हरियाणा के जांगड़ा ने 2021 में पेशेवर मुक्केबाजी में पदार्पण किया।

एचआईएल के लिए नई वेबसाइट लांच

एजेंसी । नई दिल्ली

हॉकी इंडिया लीग का कार्यक्रम जारी करने के साथ ही मंगलवार को लीग की वेबसाइट का शुभारंभ भी किया गया। नई वेबसाइट 'हॉकीइंडियालीगडॉटकॉम के जरिए दुनिया भर के प्रशंसकों तक लीग की ताजा खबरें, मैचों के कार्यक्रम, पूरी टीम की सूची और एक्सक्लूसिव वीडियो कंटेंट की पहुंच आसान होगी। इस वेबसाइट को एक आकर्षक और रोचक अनुभव देने के लिए तैयार किया गया है। वेबसाइट पर एचआईएल से जुड़ी सभी चीजें उपलब्ध होंगी जो प्रशंसकों और खिलाड़ियों को पहले से कहीं अधिक हॉकी के करीब लाएंगी।

आईसीसी वनडे रैंकिंग : हरमनप्रीत की शीर्ष दस में वापसी

एजेंसी । दुबई

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर आईसीसी वनडे रैंकिंग में शीर्ष दस में वापसी की है। हरमनप्रीत मंगलवार को जारी ताजा रैंकिंग में तीन स्थान के फायदे से संयुक्त नौवें स्थान पर पहुंच गईं। स्मृति मंधाना 23 रेटिंग अंक हासिल कर कुल 728 रेटिंग अंकों के साथ तालिका में चौथे स्थान पर है। उनके और

तीसरे स्थान पर काबिज श्रीलंका की कप्तान सी अटापट्टू के बीच पांच रेटिंग अंक का फासला है। इंग्लैंड की नैट सिवर ब्रंट (760) शीर्ष पर है।

दीप्ति दूसरे स्थान पर कायम

भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज यास्तिका भाटिया तीन स्थान के सुधार के साथ 48वें जबकि न्यूजीलैंड की ब्रुक हैलीडे 12 स्थान के सुधार के साथ 24वें स्थान पर पहुंच गई हैं। गेंदबाजों में दीप्ति शर्मा ने करियर की सर्वश्रेष्ठ 703 रेटिंग अंक के साथ दूसरे पायदान पर अपनी स्थिति मजबूत की। तेज गेंदबाज रेणुका सिंह (चार स्थान के सुधार के साथ 32वें), साइमा ठाकोर (20 स्थान के सुधार के साथ संयुक्त 77वें) और प्रिया मिश्रा (छह स्थान के सुधार के साथ 83वें) इस रैंकिंग में अपनी स्थिति बेहतर करने वालों में शामिल हैं।

एरिगेसी की पहली टक्कर विदित से

एजेंसी । चेन्नई

दुनिया के चौथे नंबर के भारतीय ग्रैंडमास्टर और शीर्ष वरीय अर्जुन एरिगेसी चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स शतरंज में अपने अभियान की शुरुआत हमवतन विदित गुजराती के खिलाफ करेंगे। एरिगेसी 2800 ईएलओ रेटिंग अंक को पार करने के बाद भारत में पहली बार

खेलेंगे। आठ खिलाड़ियों के बीच होने वाली इस क्लासिकल प्रतियोगिता के शुरुआती दौर में अरविंद चिदंबरम का सामना ईरान के अमीन ताबाताबेई से होगा। वाचियर लाग्रेव मैक्सिम की टक्कर मघसूदलू परम से और अमेरिकी ग्रैंडमास्टर लेवोन एरोनियन का सामना एलेक्सी शिरोव से होगा।

'पुष्पा: द रुल' का नया पोस्टर जारी

आमने-सामने नजर आए अल्लू अर्जुन और फहद फासिल

पिछले लंबे समय से अभिनेता अल्लू अर्जुन अपनी आगामी फिल्म 'पुष्पा: द रूल' को लेकर चर्चा में हैं। यह 2021 में आई फिल्म 'पुष्पा: द राइज' का सीक्वल है, जो बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुआ था। 'पुष्पा: द रूल' ठीक एक महीने बाद यानी 5 दिसंबर, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। अब इससे पहले

निर्माताओं ने फिल्म का नया पोस्टर साझा किया है, जिसमें अल्लू और फहद फासिल आमने-सामने नजर आ रहे हैं।

इन भाषाओं में रिलीज होगी फिल्म

'पुष्पा: द रूल' के निर्देशन की कमान सुकुमार कर रहे हैं। पहले भाग का निर्देशन भी उन्होंने ही किया था। इस फिल्म अल्लू की जोड़ी एक बार फिर अभिनेत्री रश्मिका मंदाना के साथ बनी है। 'पुष्पा: द रूल' हिंदी समेत तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ के साथ बंगाली भाषा में भी रिलीज होगी। यह पहली पैन-इंडिया फिल्म है, जो बंगाली भाषा में रिलीज होने वाली है। फिल्म का ट्रेलर जल्द रिलीज किया जाएगा।

फिल्म 'गेम चेंजर' ने रचा इतिहास

अभिनेता राम चरण पिछले लंबे समय से अपनी आगामी फिल्म 'गेम चेंजर' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इस फिल्म में उनकी जोड़ी अभिनेत्री कियारा आडवाणी के साथ बनी है।

'गेम चेंजर' का टीजर आगामी 9 नवंबर को लखनऊ में एक भव्य कार्यक्रम में रिलीज किया जाएगा। इसी के साथ यह पहली पैन-इंडिया फिल्म बन गई है, जिसका टीजर लखनऊ में लॉन्च होगा। आमतौर पर पैन-इंडिया फिल्मों के टीजर मुंबई और दिल्ली में लॉन्च किए जाते हैं। 'विनय विद्या राम' के बाद यह कियारा और राम चरण के बीच दूसरा सहयोग है। फिल्म के निर्देशन की कमान शंकर ने संभाली है। फिल्म की कहानी कार्तिक सुब्बाराज ने लिखी है। 'गेम चेंजर' एक राजनीतिक एक्शन थ्रिलर है, जिसमें राम चरण और कियारा के अलावा अंजलि, एसजे सूर्या, जयराम, सुनील, श्रीकांत, समुथिरकानी और नासर जैसे सितारे भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। 'गेम चेंजर' 10 जनवरी, 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है।

'द साबरमती रिपोर्ट' से विक्रांत मैसी की नई झलक जारी

अभिनेता विक्रांत मैसी पिछले लंबे समय से फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इस फिल्म के निर्देशन की कमान रंजन चंदेल ने संभाली है, जो वामिका गब्बी की वेब सीरीज 'ग्रहण' के लिए जाने जाते हैं। एकता कपूर इस फिल्म की निर्माता हैं। अब 'द साबरमती रिपोर्ट' से विक्रांत की नई झलक सामने आ गई है, जिसमें उनका धांसू अवतार दिख रहा है। इस फिल्म में विक्रांत पहली बार पत्रकार की भूमिका में नजर आएंगे।

आज रिलीज होगा ट्रेलर

ज़ी स्टूडियो ने फिल्म का मोशन पोस्टर साझा करते हुए कैप्शन में लिखा, 'जिसने सच देखा, क्या वो सच दिखाएगा? जब सत्य का षडयंत्र से मिलन होगा तो जीत किसकी होगी?' इसके साथ निर्माताओं ने बताया कि 'द साबरमती रिपोर्ट' का ट्रेलर 6 नवंबर को रिलीज किया जाएगा। 'द साबरमती रिपोर्ट' 15 नवंबर, 2024 को सिनेमाघरों का दरवाजा खटखटाने को तैयार है। इस फिल्म में राशि खन्ना और रिद्धि डोगरा ने भी अपनी अदाकारी का तड़का लगाया है।

'आजाद' का टीजर जारी

अभिनेता अजय देवगन ने हाल ही में अपनी नई फिल्म 'आजाद' का ऐलान किया था, जिसके निर्देशन की कमान अभिषेक कपूर ने संभाली है। इसके जरिए रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी अभिनय की दुनिया में कदम रखने जा रही हैं। अजय के भांजे अमन देवगन भी इस फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले हैं। अब निर्माताओं ने 'आजाद' का टीजर जारी कर दिया है। अजय की उम्दा अदाकारी ने एक बार फिर प्रशंसकों का दिल जीत लिया है। अजय के अलावा टीजर में राशा और अमन की भी झलक दिख रही है। डायना पेंटी, मोहित मलिक और पीयूष मिश्रा जैसे कलाकार भी इस फिल्म में अभिनय करते नजर आएंगे। अजय ने टीजर साझा करते हुए कैप्शन में लिखा, 'हर जंग में, हर बहादुर योद्धा के साथ, एक वफादार घोड़ा जरूर रहा है।' 'आजाद' अगले साल जनवरी में सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। रोनी स्क्रूवाला इस फिल्म के निर्माता हैं।

'देवरा' ओटीटी प्लेटफॉर्म पर देगी दस्तक

जूनियर एनटीआर की फिल्म 'देवरा' को 27 सितंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था, जिसमें उनकी अदाकारी की खूब तारीफ हुई। फिल्म में वह डबल रोल में नजर आए थे। 'देवरा' ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 300 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार किया था, वहीं दुनियाभर में यह 403 .83 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही। अब 'देवरा' अपनी OTT रिलीज को तैयार है।

इन भाषाओं में उपलब्ध होगी फिल्म

'देवरा' का प्रीमियर 8 नवंबर, 2024 से नेटफ्लिक्स पर होगा। यह फिल्म हिंदी के साथ तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में उपलब्ध होगी। जो दर्शक इस फिल्म को सिनेमाघरों में नहीं देख पाए, वह अब इसे OTT पर देख सकते हैं। 'देवरा' की कहानी एनटीआर की है। वह फिल्म में विलेन बने सैफ उर्फ भैरा के साथ मिलकर समुद्र के जरिए गैर कानूनी कामों को अंजाम देते हैं, लेकिन एक दिन देवरा का हृदय परिवर्तन हो जाता है।

49 सीटों पर शिवसेना बनाम शिवसेना, तो 38 पर एनसीपी बनाम एनसीपी

विश्लेषण
धीरज सिंह

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव इस बार शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के दोनों गुटों के लिए राजनीतिक वर्चस्व की एक बड़ी लड़ाई बन गए हैं। महाराष्ट्र की राजनीति में पिछले ढाई सालों में कई बदलाव आए हैं, जिसमें दो प्रमुख विभाजन हुए — शिवसेना का विभाजन, जिसमें एकनाथ शिंदे ने 40 विधायकों को लेकर बगावत की, और राकांपा का विभाजन, जिसमें अजित पवार ने शरद पवार से अलग होकर अपना गुट बनाया। इस चुनाव में शिवसेना (उद्धव गुट) और शिवसेना (शिंदे गुट) 49 सीटों पर आमने-सामने हैं। ये सीटें इस बात का संकेत देंगी कि महाराष्ट्र के मतदाता किस गुट को असली शिवसेना मानते हैं और किसे ज्यादा समर्थन देते हैं। एकनाथ शिंदे, जो वर्तमान मुख्यमंत्री हैं, उन्होंने दावा किया है कि उनकी शिवसेना असली शिवसेना है। वहीं, उद्धव ठाकरे अपने परंपरागत समर्थकों के साथ अपनी पहचान और विरासत को कायम रखने की कोशिश में हैं। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) में भी ऐसी ही स्थिति देखने को मिल रही है। अजित पवार और शरद पवार के नेतृत्व वाले राकांपा के गुटों के बीच 38 सीटों पर सीधी टक्कर होगी। अजित पवार, जो राज्य सरकार में डिप्टी सीएम के रूप में कार्यरत हैं, उन्होंने अपनी सत्ता और प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए राकांपा के कई नेताओं को अपने पक्ष में किया है। दूसरी ओर, शरद पवार अपने पुराने अनुभव और संगठनात्मक कौशल से अजित पवार के प्रभाव को चुनौती देने का प्रयास कर रहे हैं। इन 87 सीटों का चुनावी परिणाम यह निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा कि महाराष्ट्र में किस गुट का वर्चस्व होगा। यह चुनाव उद्धव ठाकरे बनाम एकनाथ शिंदे और शरद पवार बनाम अजित पवार की राजनीतिक पकड़ को परखने का एक बड़ा मौका होगा।

दोनों दलों की परीक्षा चुनाव में होगी

राज्य की 49 सीटों पर सीधा मुकाबला एकनाथ शिंदे और उद्धव ठाकरे की शिवसेनाओं के बीच और 38 सीटों पर सीधा मुकाबला शरद पवार और अजीत पवार की राकांपा के बीच हो रहा है। इसलिए यही सीटें उद्धव ठाकरे और शरद पवार का वर्चस्व तय करेंगी। जिन 49 सीटों पर दोनों शिवसेनाएं आमने-सामने हैं, उनमें से 19 सीटें मुंबई मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र की हैं, जहां अविभाजित शिवसेना का वर्चस्व माना जाता था। इनमें भी 12 सीटों मुंबई महानगर की हैं। मराठवाड़ा में आठ, उत्तर महाराष्ट्र में चार, विदर्भ में छह और पश्चिम महाराष्ट्र में चार सीटों पर दोनों शिवसेनाएं आमने-सामने होंगी। लोकसभा चुनाव में 13 सीटों पर दोनों शिवसेनाओं का आमने-सामने मुकाबला हुआ था। जिसमें सात सीटें शिवसेना (शिंदे) ने जीती थीं, और शिवसेना (यूबीटी) के हिस्से में छह सीटें आई थीं।

किसको मिल सकता फायदा?

शरद पवार के उम्मीदवारों में ऐसे नेताओं की संख्या भी कम नहीं है, जो चुनाव से ठीक पहले भाजपा या राकांपा (अजीत) को छोड़कर शरद पवार के साथ आए हैं। ये उम्मीदवार भी अपनी सीटों पर अपने दम पर चुनकर आने की क्षमता रखते हैं। इन उम्मीदवारों को शरद पवार के रणनीतिक कौशल का भी लाभ मिलने की उम्मीद है।

80 प्रतिशत स्ट्राइक रेट पर सफल रहे शरद पवार

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में इस बार शिवसेना (शिंदे गुट) और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) गुट के बीच 49 सीटों पर सीधा मुकाबला हो रहा है, जिससे यह चुनाव दोनों के लिए वर्चस्व की परीक्षा बन गया है। इनमें से 19 सीटें मुंबई मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र की हैं, जो पहले अविभाजित शिवसेना का गढ़ मानी जाती थीं। इन 19 सीटों में से 12 सीटें मुंबई महानगर की हैं, जो शिवसेना की पारंपरिक पकड़ वाली मानी जाती थीं। इसके अलावा, मराठवाड़ा में 8 सीटों, उत्तर महाराष्ट्र में 4, विदर्भ में 6, और पश्चिम महाराष्ट्र में 4 सीटों पर दोनों शिवसेनाएं आमने-सामने हैं। लोकसभा चुनाव में भी दोनों शिवसेनाओं के बीच 13 सीटों पर सीधा मुकाबला हुआ था, जिसमें शिंदे गुट ने 7 सीटों पर जीत हासिल की, जबकि उद्धव गुट (यूबीटी) ने 6 सीटें जीतीं। इसके साथ ही, राकांपा के दो गुटों — शरद पवार और अजीत पवार के बीच 38 सीटों पर सीधा मुकाबला हो रहा है। इन विधानसभा सीटों के नतीजे न केवल इन विभाजित दलों के भविष्य को आकार देंगे, बल्कि यह भी तय करेंगे कि राज्य की राजनीति में उद्धव ठाकरे और शरद पवार की विरासत कैसे आगे बढ़ेगी।

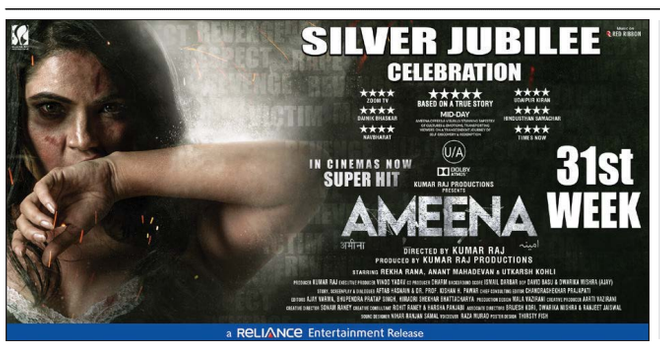

महाराष्ट्र की वो विधानसभा सीटें जिन पर मुस्लिम वोटर्स तय करते हैं हार-जीत?

ग्राउंड रिपोर्ट
अमित बृज

महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में कुछ ऐसे प्रमुख निर्वाचन क्षेत्र हैं जहां मुस्लिम वोटर्स की भूमिका निर्णायक मानी जाती है, क्योंकि इन क्षेत्रों में उनकी जनसंख्या का अनुपात काफी अधिक है। ये सीटें राजनीति कांग्रेस और एनसीपी) और अन्य दलों के लिए, जो मुस्लिम समुदाय के प्रतिनिधित्व पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

मुस्लिम समुदाय की संख्या 11.56 फीसदी

रिपोर्ट के अुसार महाराष्ट्र की कुल आबादी में मुस्लिम समुदाय की संख्या 11.56 फीसदी है।। महाराष्ट्र की कुल जनसंख्या 11.24 करोड़ हैं जिनमें से 1.3 करोड़ मुसलमान हैं। वहीं महाराष्ट्र की कुल 288 सीटों में कुल 38 विधानसभा ऐसी सीटें हैं जहां मुसलमानों की आबादी कम से कम 20% है, जिनमें से नौ सीटें ऐसी हैं जहां मुसलमानों की आबादी 40% से ज़्यादा है।

मुंबई की सीटों पर मुस्लिम आबादी कितनी है?

मुंबई में 10 विधानसभा सीटों पर 25% से ज़्यादा मुस्लिम आबादी है, जो इन इलाकों में मुस्लिमों के खासे प्रभाव को दर्शाता है। पिछले लोकसभा चुनाव में महा विकास अघाड़ी को अल्पसंख्यक समुदाय से अच्छी खासी संख्या में वोट मिले थे। एक रिपोर्ट के अनुसार मुंबई की कुछ सीटें हैं जहां पर मुस्लिम वोटर्स ही निर्णायक भूमिका निभाते हैं। इनमें से कई सीटें मुस्लिम मतदाताओं की पसंद के आधार पर जीत या हार तय करने में अहम भूमिका निभाती हैं।

मुंबई की सीटें जहां मुस्लिम वोटर्स का है बोलबाला

विधानसभा क्षेत्र	मुस्लिम वोट प्रतिशत
मानखुर्द-शिवाजीनगर	53%
मुंबादेवी	50.9%
भायखला	41.05%
धारावी	33.05%
वर्सोवा	33.05%
बांद्रा ईस्ट	33.01%
मलाड वेस्ट	27.07%
अंधेरी वेस्ट	27.01%
बांद्रा वेस्ट	25.03%

कितने मुस्लिम उम्मीदवार जीते हैं?

वर्ष	जीते मुस्लिम उम्मीदवार
1962	11 मुस्लिम उम्मीदवार जीते
1967	9 मुस्लिम उम्मीदवार जीते
1972	13 मुस्लिम उम्मीदवार जीते
1978	11 मुस्लिम उम्मीदवार जीते
1990	सबसे कम 7 उम्मीदवार जीते
1972, 1980 और 1999	सबसे अधिक 13 मुस्लिम उम्मीदवार
2019	10 मुस्लिम उम्मीदवार जीते।

प्रमुख विधानसभा सीटें जहां मुस्लिम मतदाता प्रभावी

मुंबई की सीटें : मुंबई में कई सीटें ऐसी हैं जहां मुस्लिम जनसंख्या का महत्वपूर्ण अनुपात है। इनमें भायखला, नागपाड़ा, चांदिवली , बांद्रा (पूर्व), मुम्ब्रा-कौसा, और मोहम्मद अली रोड जैसी सीटें प्रमुख हैं। इन सीटों पर मुस्लिम मतदाताओं की संख्या अधिक होने से उनके वोट का असर चुनाव परिणामों पर सीधे तौर पर पड़ता है।

औरंगाबाद : औरंगाबाद में मुस्लिम आबादी का हिस्सा खासा है। औरंगाबाद सेंट्रल और औरंगाबाद ईस्ट सीटों पर मुस्लिम समुदाय की मजबूत उपस्थिति है और यहां पर उम्मीदवार की जीत-हार में इनकी निर्णायक भूमिका रहती है।

नांदेड़ : नांदेड़ जिले में भी मुस्लिम जनसंख्या अधिक है, खासकर नांदेड़ उत्तर और नांदेड़ दक्षिण सीटों पर। यहां पर मुस्लिम वोटर्स उम्मीदवार की जीत के लिए अहम माने जाते हैं।

मालेगांव : मालेगांव (पूर्व और पश्चिम) में मुस्लिम समुदाय का प्रभुत्व है और यह सीटें महाराष्ट्र की राजनीति में एक प्रमुख स्थान रखती हैं।

अमरावती : अमरावती की अचलपुर सीट पर भी मुस्लिम समुदाय का खासा प्रभाव है। इस क्षेत्र में मुस्लिम वोटों का चुनाव परिणामों में महत्वपूर्ण योगदान हो सकता है।

धुले : धुले में भी मुस्लिम आबादी की बड़ी तादाद है। यहां धुले शहर और धुले ग्रामीण जैसी सीटों पर मुस्लिम मतदाता प्रभावशाली भूमिका निभाते हैं।

परभणी : परभणी में मुस्लिम वोटर्स के लिए कुछ सीटें महत्वपूर्ण हैं, विशेषकर परभणी नगर सीट, जहां पर उनका एक अच्छा खासा वोट प्रतिशत है।

वडाला विधानसभा सीट

कालिदास कोलंबकर अपनी 9वीं पारी में कर सकते हैं बड़ा कमाल

इस विधानसभा सीट की बात करें तो यह महाराष्ट्र राज्य के 288 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में से एक है। यह मुंबई शहर जिले में स्थित है और मुंबई दक्षिण मध्य संसदीय सीट के 6 विधानसभा क्षेत्रों में से एक मानी जाती है। वडाला विधानसभा सीट पर 2009 से लेकर अब तक के चुनाव परिणामों में कई दिलचस्प मोड़ देखने को मिले हैं। 2009 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी के कालिदास कोलंबकर ने जीत हासिल की थी. उस समय कोलंबकर ने कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ा था और उनकी जीत ने वडाला में कांग्रेस की स्थिति को मजबूत किया था. 2014 में, जब महाराष्ट्र में राजनीतिक माहौल में बड़े बदलाव देखने को मिले, कालिदास कोलंबकर ने अपनी पार्टी बदलकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दामन थाम लिया और वडाला सीट से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ा. इस चुनाव में भी उन्होंने अपनी जीत बरकरार रखी और 38,540 वोट हासिल किए, जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी मिहिर कोटेचा को 37,740 वोट मिले. 2019 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में वडाला सीट पर फिर से भाजपा के कालिदास कोलंबकर ने चुनाव लड़ा और जीत हासिल की. इस बार कोलंबकर ने 56,485 वोट हासिल किए और कांग्रेस के शिवकुमार उदय लाड को 25,640 वोटों से हराया. 2019 का चुनाव इस बात का प्रमाण था कि कोलंबकर ने भाजपा के साथ मिलकर वडाला में अपना प्रभाव और बढ़ाया है.

मतदाता समीकरण

वडाला विधानसभा सीट में अनुसूचित जाति के मतदाताओं की संख्या लगभग 18,178 है, जो 2011 की जनगणना के अनुसार लगभग 8.26% है। वहीं यहां के अनुसूचित जनजाति मतदाताओं की संख्या को देखें तो लगभग 2,179 है जो 2011 की जनगणना के अनुसार लगभग 0.99% ही है। वहीं अगर मतदाता सूची का विश्लेषण करें तो वडाला विधानसभा में मुस्लिम मतदाताओं की संख्या लगभग 27,289 है जो लगभग 12.4% ही है। यहां ग्रामीण मतदाताओं की संख्या एक भी नहीं है। वडाला विधानसभा में शहरी मतदाताओं को देखें तो यह संख्या लगभग 220,071 है जो 2011 की जनगणना के अनुसार लगभग 100% ही है। अब साल 2019 के संसदीय चुनाव को देखें तो वडाला विधानसभा में कुल 220071 मतदाता है. तब यहां मतदान केंद्रों की संख्या 224 थी। 2019 के संसदीय चुनाव में वडाला विधानसभा में मतदाता मतदान 59.62% रहा था। इसी तरह साल 2019 विधानसभा चुनाव में वडाला विधानसभा को मतदाता मतदान 49.35% रहा था।

मतदाता

पुरुष
1 लाख 5 हजार 372 मतदाता

महिला
99 हजार 553 मतदाता

कुल
2 लाख 4 हजार 927 मतदाता

8 बार जीते

वडाला विधानसभा क्षेत्र से मौजूदा विधायक कालिदास कोलंबकर अब तक 8 बार जीत चुके हैं. अगर वह 2024 में चुनाव जीतते हैं तो उनकी जीत गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज होगी। वडाला विधानसभा क्षेत्र से कालिदास कोलंबकर, ठाकरे की शिवसेना से पूर्व महापौर श्रद्धा जाधव और मनसे से पूर्व नगरसेवक स्नेहल जाधव भाजपा उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतरे हैं। कालिदास कोलंबकर अब तक वडाला विधानसभा क्षेत्र से आठ बार निर्वाचित हो चुके हैं। लेकिन विधानसभा चुनाव में सफलता हासिल करने के लिए मतदाताओं का समर्थन जरूरी है. मौजूदा विधायक होने के बावजूद, चुनाव में ठाकरे की शिवसेना उम्मीदवार पूर्व महापौर श्रद्धा जाधव की भी वडाला विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं के बीच अच्छी पकड़ है। मनसे उम्मीदवार स्नेहल जाधव माहिम निर्वाचन क्षेत्र से हैं और उन्हें वडाला विधानसभा क्षेत्र से नामांकित किया गया है। तो क्या विधानसभा क्षेत्र में खिलेगा कमल?, जलेगी मशाल? या मनसे का इंजन चलेगा? यह अगले कुछ दिनों में स्पष्ट हो जायेगा.